RNI No. : UPHIN/2021/89881

हिन्दी दैनिक

प्रयाग केसरी

संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 04
अंक : 332
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 28 फरवरी, 2026

3 जलसंस्थान कर्मी पुत्र के खुदकुशी मामले में मां ने ... 5 संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से छात्र की मौत 7 'क्रिकेट कभी प्लान नहीं था', जितेश शर्मा का ...

डिजिटल धोखाधड़ी पर आरबीआई का बड़ा एक्शन, बैंकों और पुलिस को दिए मिलकर काम करने के कड़े निर्देश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच समन्वय जरूरी है। आरबीआई ने 60 प्रमुख बैंकों के कार्यकारी निदेशकों और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन प्रमुखों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया था। यह कार्यशाला बुधवार को संपन्न हुई। कार्यशाला में केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) और महाराष्ट्र पुलिस के अधिकारियों ने भाग लिया। आरबीआई ने एक बयान में कहा, ''कार्यशाला में इस तरह की धोखाधड़ी को लेकर बढ़ती चिंताओं को प्रभावी ढंग से दूर करने के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच मजबूत समन्वय की जरूरत बतायी गयी।''

साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम और उसे कम करने के लिए मजबूत संचालन और निगरानी व्यवस्था, मजबूत आंतरिक नियंत्रण, सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग के महत्व पर जोर दिया गया। आरबीआई ने बैंकों से इन प्रयासों के तहत लक्षित ग्राहक जागरूकता अभियान चलाने को भी कहा। कार्यशाला में बैंकों ने साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम और उसे कम करने के लिए अपनाई गई बेहतर गतिविधियों और तकनीकी उपायों को साझा किया। बयान में कहा गया है कि यह कार्यशाला रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों के साथ चल रहे पर्यवेक्षी और विकासात्मक जुड़ाव का एक हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य साइबर धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं और उसके बढ़ते जटिल स्वरूप से निपटना था।

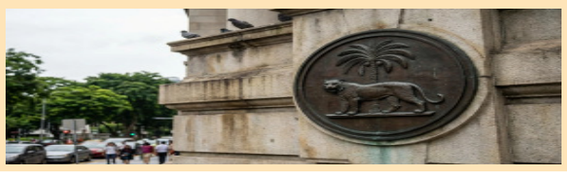

केजरीवाल-सिसोदिया को बरी करने वाली कोर्ट का बड़ा फैसला
दिल्ली आबकारी नीति केस के सीबीआई अफसर पर होगी जांच

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) के उस अधिकारी के खिलाफ डिपार्टमेंटल जांच का आदेश दिया, जिसने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले की जांच की थी। इस मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को आज बरी कर दिया गया। राउज़ एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने जांच अधिकारी के खिलाफ जांच का आदेश दिया है, जिन्होंने कथित तौर पर सरकारी कर्मचारी कुलदीप सिंह को मामले में आरोपी नंबर एक बनाया था। कुलदीप सिंह उस समय डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ एक्साइज़ के तौर पर काम कर रहे थे।

जज सिंह ने कोर्ट में कहा कि मैं ए1 डसिंह को आरोपी बनाने के संबंध में डिपार्टमेंटल जांच की सिफारिश कर रहा हूं। कोई सबूत नहीं है। मैं दोहरा रहा हूं, कोई सबूत नहीं है, और आपने उन्हें आरोपी नंबर 1 बनाया है। एक डिटेल्ड ऑर्डर में, जज ने कहा कि आईओ की जांच पहले से सोची-समझी और कोरियोग्राफ्ड थी और सरकारी कर्मचारी के खिलाफ आरोप बिना किसी भेदभाव के जांच का मकसद नहीं थे, बल्कि पहले से बनी कहानी में फिट करने के लिए बनाए गए थे। कोर्ट ने जांच ऑफिसर के इस तरीके पर भी गंभीर चिंता जताई कि कुछ लोगों को सस्पेक्ट्स के कॉलम में रखा गया, जबकि साथ ही उन्हें चार्जशीट में सरकारी गवाह के तौर पर बताया गया।

खास तौर पर, कोर्ट ने उस समय के एक्साइज कमिश्नर अर्वा गोपी कृष्ण और उस समय के डिप्टी कमिश्नर आनंद कुमार तिवारी का ज़िक्र किया, जिन्हें सस्पेक्ट्स के तौर पर लिस्ट किया गया था। कोर्ट ने कहा कि कृष्णा को उसी समय सरकारी गवाह नंबर 74 के तौर पर बताया गया था, और इस तरीके को शक वाला और चिंता की बात बताया। कोर्ट ने कहा कि इस विरोधाभासी बात को सिर्फ़ प्रोसेस में गड़बड़ी कहकर नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। यह एक सोची-समझी और सोची-समझी चाल दिखाता है, जिससे इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर ने जानबूझकर कहानी को ढीला रखने की कोशिश की है, प्रॉसिक्यूशन केस को मज़बूत करने के लिए व्यक्ति के बयान पर भरोसा किया है, और साथ ही यह ऑप्शन भी रखा है कि अगर केस, जैसा बताया गया है, ज्यूडिशियल जांच में फेल हो जाता है, तो उसी व्यक्ति को फंसाया जा सकता है।

इसमें ज़ोर देकर कहा गया कि इस तरह की दोहरी पोजीशनिंग से साफ़ पता चलता है कि इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर को शुरू से ही लगाए जा रहे आरोपों की अंदरूनी नाजुकता का पता था और उन्हें डर था कि कोर्ट के सामने रखा गया वर्जन शायद करीबी ज्यूडिशियल जांच में टिक न पाए। इसके अलावा, कोर्ट ने कहा कि सीबीआई ऑफिसर के तरीके से एंटीसिपेटरी मैनिपुलेशन का पता चला, जिसे सच का पता लगाने में कोर्ट की मदद करने के बजाय इन्वेस्टिगेटर को बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया था। इसमें यह भी कहा गया कि गलती करने वाले सीबीआई ऑफिसर के खिलाफ डिपार्टमेंट की कार्रवाई का आदेश दिया जा रहा है ताकि जवाबदेही तय हो सके और इन्वेस्टिगेशन मशीनरी का भरोसा बना रहे।

यूजर्स कर रहे हैं चैटजीपीटी का खतरनाक और गलत इस्तेमाल
ओपनएआई की नई रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ओपनएआई की ताज़ा रिपोर्ट में यह सामने आया है कि उसकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेवा चैटजीपीटी का कुछ समूह ने गलत तरीके से इस्तेमाल किया। कंपनी ने कहा कि ऐसे कई अकाउंट्स को तुरंत बंद कर दिया गया है, जिनका उपयोग ऑनलाइन धोखाधड़ी, गलत सूचना फैलाने और साइबर अपराधों के लिए किया जा रहा था।

रिपोर्ट में बताया गया है कि इन बैन किए गए अकाउंट्स के जरिए रोमांस स्कैम और प्रचार अभियान चलाए जा रहे थे। कुछ मामलों में तो जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री के खिलाफ भी अभियान चलाया गया। ओपनएआई ने यह साफ किया कि यह टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल था और कंपनी ऐसे कामों को रोकने के लिए सक्रिय है।

ओपनएआई ने यह भी खुलासा किया कि कुछ अकाउंट्स का संबंध चीन से जुड़ी कानून लागू करने वाली एजेंसी से था। इन अकाउंट्स का इस्तेमाल अमेरिकी लोगों, ऑनलाइन फोरम और फेडरल बिल्डिंग जैसी संवेदनशील जगहों की जानकारी जुटाने के लिए किया जा रहा था। इसके अलावा, फेस-स्वाइपिंग सॉफ्टवेयर से जुड़ी सलाह लेने के लिए भी चैटजीपीटी का इस्तेमाल किया गया। रिपोर्ट में यह बताया गया कि इन खातों का इस्तेमाल करके चैटजीपीटी की मदद से स्टेट लेवल के अमेरिकी अधिकारियों को ईमेल भेजे जा रहे थे। इन ईमेल और संदेशों में खुद को बिजनेस और फाइनेंस के पॉलिसी एनालिस्ट या पेड कंसल्टेंट के रूप में पेश किया जा रहा था। इस तरह का संदेश भेज कर लोगों को भ्रमित किया जा रहा था।

ओपनएआई ने यह भी कहा कि चैटजीपीटी का इस्तेमाल डेटिंग स्कैम में हो रहा था। इंडोनेशिया के पुरुषों को लक्षित कर ऐसे स्कैम चलाए गए जिसमें 100 से ज्यादा लोग फंस गए। इन स्कैम में फर्जी डेटिंग सर्विस के विज्ञापन और संदेशों के जरिए लोगों को प्लेटफॉर्म जॉइन करने के लिए कहा गया। इसके बाद उन्हें बड़े पेमेंट के लिए कुछ टास्क पूरे करने के लिए प्रेरित किया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ खातों ने खुद को वकील, सलाहकार या पेशेवर पेश कर लोगों को टारगेट किया। चैटजीपीटी का इस्तेमाल ऐसे संदेश और प्रमोशनल टेक्स्ट बनाने में किया गया, जिससे लोगों को फर्जी प्लेटफॉर्म पर लुभाया जा सके। ओपनएआई ने अमेरिकी अधिकारियों को इन गतिविधियों की जानकारी दी है और कहा है कि ऐसे खातों की पहचान कर उन्हें बैन करना जारी रखा जाएगा। कंपनी ने जोर देकर कहा कि चैटजीपीटी जैसी तकनीक का सही और सुरक्षित तरीके से ही इस्तेमाल होना चाहिए।

आप के जश्न पर सीबीआई का 'ब्रेक'!
अरविंद केजरीवाल की रिहाई के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट पहुंची जांच एजेंसी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक अर्जेंट अपील दायर की है, जिसमें दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी स्कैम केस में बरी करने के निचली अदालत के शुक्रवार के आदेश को चुनौती दी गई है। इससे यह संकेत मिलता है कि आप के जीत के जश्न के बावजूद कानूनी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।

राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया, जिसमें सीबीआई की चार्जशीट पर ध्यान देने से इनकार कर दिया गया और केजरीवाल, सिसोदिया और बाकी सह-आरोपियों को बरी कर दिया गया। कोर्ट ने कहा कि साज़िश के दावों में कोई सबूत नहीं था और वे कानूनी तौर पर सही नहीं थे। आप ने इसे सच की 'ऐतिहासिक' जीत बताया, और नेताओं ने 'सत्यमेव जयते' का नारा लगाते हुए जांच को राजनीति से प्रेरित बताया। अधिकारियों ने कन्फर्म किया कि सीबीआई का हाई कोर्ट में तुरंत कदम उठाना, अनसुलझे सबूतों के मुद्दों को दिखाता है, जिसमें आरोपियों द्वारा कथित तौर पर फोन और सिम नष्ट करना भी शामिल है।

हाल ही में क्लीन चिट मिलने के बाद, केजरीवाल ने एक ज़ोरदार प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर नकली शराब घोटाले के ज़रिए आप को खत्म करने की साज़िश करने का आरोप लगाया, जिसने उनकी मेहनत से कमाई ईमानदारी को खराब कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरी इज़्ज़त पर हमला किया गया। उन्होंने संस्थागत दबावों के बीच जज की हिम्मत की तारीफ़ की, और ईडी केस से बरी करने के लिए कोर्ट में अर्ज़ी देने की कसम खाई। उन्होंने मोदी को दिल्ली चुनाव में चुनौती दी–अगर भाजपा 10द्ध सीटें जीतती है, तो 'मैं राजनीति छोड़ दूंगा'–साथ ही प्रदूषण और सड़कों जैसी सरकारी दिक्कतों की आलोचना की, और फैसले को भगवान का इंसाफ़ बताया।

अविमुक्तेश्वरानंद को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत, फैसला आने तक नहीं होगी गिरफ्तारी, यौन शोषण मामले में अब इस दिन होगी सुनवाई

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बटुकों के कथित यौन शोषण मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गिरफ्तारी पर शुक्रवार को रोक लगा दी और कहा कि निर्णय आने तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की और से दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने राज्य सरकार एवं मुकदमा के वादी आशुतोष पांडेय को इस मामले में अपने जवाब दाखिल करने को कहा। अदालत ने अग्रिम जमानत याचिका पर अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया जिसके मार्च के तीसरे सप्ताह में सुनाए जाने की संभावना है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता इस मामले की जांच में पुलिस का सहयोग करेंगे। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के अधिवक्ता दिलीप गुप्ता ने कहा कि शिकायतकर्ता आशुतोष पांडेय काई आपराधिक मामलो में लिप्त रहे हैं और याचिकाकर्ता को राज्य सरकार के इशारे पर इस मामले में झूठा फंसाया गया है।

उन्होंने कहा कि पीड़ित बटुक स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के आश्रम में कभी नहीं रहे। वहीं, दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से अग्रिम जमानत की याचिका की पोषणीयता पर यह कहते हुए सवाल किया गया कि अग्रिम जमानत याचिका सत्र अदालत में दायर करने के बजाय सीधे उच्च न्यायालय में दायर की गई है। उल्लेखनीय है कि प्रयागराज की विशेष पॉक्सो अदालत के निर्देश पर झूंसी पुलिस थाना में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई जिसमें उन पर बटुकों के साथ यौन शोषण का आरोप लगाया गया है।

गौरतलब है कि प्रयागराज की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ बटुकों के साथ यौन शोषण के आरोपों की जांच के लिए झूंसी पुलिस थाने के प्रभारी को प्राथमिकी दर्ज करने का शनिवार को आदेश दिया। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज और अन्य द्वारा बीएनएसएस की धारा 173(4) के तहत दाखिल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) विनोद कुमार चौरसिया की अदालत ने पिछले सप्ताह साक्ष्यों को देखने और पीड़ित बटुकों का बयान दर्ज करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ता ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बीएनएस की धारा 69, 74, 75, 76, 79 और 109 के साथ ही पॉक्सो अधिनियम की धारा 3/5/9 और 17 के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने का आग्रह करते हुए यह आवेदन दाखिल किया था। अदालत ने याचिका स्वीकार करते हुए झूंसी के थाना प्रभारी को तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करने और कानून के मुताबिक मामले की जांच करने का आदेश दिया।

जापान मेघालय का एक महत्वपूर्ण विकास भागीदार देश है : मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने जापान की एक प्रमुख विकास भागीदार के रूप में भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंध का दायरा बुनियादी ढांचे से परे युवा सशक्तीकरण, कृषि और टिकाऊ आजीविका तक बढ़ चुका है। शिलांग में बृहस्पतिवार शाम को छठे भारत-जापान बौद्धिक सम्मेलन 'किजुना' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए संगमा ने कहा कि भारत-जापान संबंध आपसी सम्मान, लोकतांत्रिक मूल्यों और आर्थिक सहयोग तथा सतत विकास के लिए एक साझा दृष्टिकोण पर आधारित हैं। उन्होंने कहा, ''जापान और भारत के बीच संबंधों की मजबूती को देखते हुए 'किजुना' (एक स्थायी बंधन) सम्मेलन के लिए सबसे उपयुक्त विषय है।'' मेघालय और जापान के बीच संबंधों के बारे में विस्तार से बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह साझेदारी केवल बुनियादी ढांचे के बारे में नहीं है, बल्कि लोगों में निवेश करने के बारे में भी है। उन्होंने कहा कि राज्य से 47 नर्सों को जापान में तैनात किया गया है और अप्रैल 2025 में जापान की उनकी यात्रा के बाद एक जापानी कंपनी के साथ इस वर्ष 500 युवाओं को प्रशिक्षित करने एवं उन्हें रोजगार देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। अगले पांच वर्षों में संख्या को बढ़ाते हुए 5, 000 युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा।

राज्य ने जापान में कुशल युवाओं को रोजगार की सुविधा प्रदान करने के लिए एक कंपनी के साथ समझौता भी किया है, जबकि इच्छुक उम्मीदवारों को भाषा में दक्षता प्रदान करने के लिए शिलांग में एक जापानी भाषा प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया गया है। जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) के साथ लंबे समय से जारी संबंधों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एजेंसी ने राज्य में बुनियादी ढांचे, सतत वानिकी और पर्यटन में महत्वपूर्ण निवेश किया है। मुख्यमंत्री ने जापानी व्यवसायों और शैक्षणिक संस्थानों को साझेदारी के लिए आमंत्रित किया। इससे पहले संगमा ने इंफाल शांति संग्रहालय और पूर्वोत्तर अभिलेखागार से कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी का दौरा किया। इस कार्यक्रम में भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची, विदेश मंत्रालय के सचिव एन जे गांगटे और जेआईसीए इंडिया के मुख्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जंगल में प्रेमिका के साथ रंगरेलियां करते पकड़ा गया वर्दीधारी!
मौके पर पहुंच गए 5-7 लड़के, फिर शर्मनाक वीडियो हो गया वायरल

महेशपुर **(एजेंसी)**। सूरजपुर जिले में वन विभाग के एक कर्मचारी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि वीडियो देवनगर नर्सरी परिसर का है, जहां ड्यूटी के दौरान वनकर्मी के साथ सात-आठ युवकों ने कथित रूप से मारपीट की। वीडियो में कुछ युवक वनकर्मी के साथ अभद्र व्यवहार करते और उसे प्रताड़ित करते दिखाई दे रहे हैं। खास बात यह कि फॉरेस्ट गार्ड अपनी प्रेमिका के साथ पकड़ा गया। वायरल वीडियो सात दिन पूर्व का बताया जा रहा है। आरक्षक सुखदेव पैकरा का देवनगर की रहने वाली किसी युवती से प्रेम प्रसंग था जिससे वह मिलने गया था मौके पर ही स्थानीय युवकों ने युवती के साथ पकड़े जाने पर आरक्षक की पिटाई कर वीडियो बनाया और वायरल कर दिया।

पिटाई के बाद वनकर्मी को जबरन डांस करने के लिए भी मजबूर किया गया। यह घटना न केवल सरकारी कर्मचारी पर हमला है बल्कि कानून व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती माना जाएगा। घटना के समय वनकर्मी ड्यूटी पर तैनात बताया जा रहा है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ जाती है। वर्दीधारी सिपाही का नाम सुखदेव पैकरा है जो लटोरी के महेशपुर का रहने वाला है। फॉरेस्ट गार्ड को इस तरीके से पीटना कहीं न कहीं कई सवाल खड़े करता है। इस मामले के संज्ञान में आने के बाद डीएफओ द्वारा भी संपर्क करने पर आरक्षक का नंबर बंद आ रहा। अभी तक फॉरेस्ट गार्ड ड्यूटी से नदारत है मामले पर कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है, ऐसे में डीएफओ ने उसको नोटिस जारी किया है। घटना सामने आने के बाद स्थानीय लोगों और विभागीय कर्मचारियों में आक्रोश देखा जा रहा है। दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है। पुलिस और वन विभाग की ओर से यदि शिकायत दर्ज की जाती है, तो संबंधित युवकों के खिलाफ कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई संभव है। फिलहाल प्रशासनिक जांच और आधिकारिक बयान का इंतजार किया जा रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पाकिस्तान बॉर्डर के पास प्रचंड हेलीकॉप्टर से यात्रा की में उड़ान भर कर दुश्मन को दिया सख्त संदेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पाकिस्तान सीमा के पास आसमान में गूंजती गड़गड़ाहट के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जैसे ही उड़ान भरी, संदेश साफ था कि भारत की सर्वोच्च सेनानायक निर्णायक नेतृत्व का जीवंत प्रतीक हैं। राजस्थान के जैसलमेर में दुश्मन की चौकसी भांपती हवाओं के बीच जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर प्रचंड की कॉकपिट से हाथ हिलाया, तो वह दृश्य भारत की सामरिक इच्छाशक्ति का उद्घोष कर गया।

हम आपको बता दें कि राष्ट्रपति ने जैसलमेर एयर फोर्स स्टेशन से उड़ान भरी। कैप्टन से विस्तृत ब्रीफिंग के बाद जब हेलिकॉप्टर ने रनवे छोड़ा, तो पूरा घटनाक्रम सैन्य अनुशासन और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का संगम बन गया। लगभग पच्चीस मिनट की इस उड़ान में दो प्रचंड हेलिकॉप्टरों की फॉर्मेशन शामिल थी। राष्ट्रपति लीड एयरक्राफ्ट में ग्रुप कैप्टन नयन शांतिलाल बहुआ के साथ थीं, जबकि दूसरे हेलिकॉप्टर को वायुसेना प्रमुख उड़ा रहे थे।

उड़ान के दौरान हेलिकॉप्टर ने गडीसर झील और जैसलमेर किले के ऊपर से गुजरते हुए निर्धारित टैंक लक्ष्य पर आक्रमण का प्रदर्शन किया। यह महज अभ्यास नहीं था, बल्कि यह स्पष्ट संकेत था कि भारत की सामरिक तैयारी सीमा के हर इंच पर सतर्क है।

हम आपको बता दें कि लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर प्रचंड भारत का पहला स्वदेशी डिजाइन और विकसित अटैक हेलिकॉप्टर है, जिसे हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ने तैयार किया है। ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर तपते रेगिस्तान तक, इसकी मारक क्षमता दुश्मन के लिए सीधी चुनौती है। राष्ट्रपति ने कॉकपिट से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रचंड आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक है।

देखा जाये तो पाक सीमा के समीप इस उड़ान का समय और स्थान दोनों ही गहरे सामरिक अर्थ रखते हैं। जैसलमेर सेक्टर पश्चिमी मोर्चे का संवेदनशील इलाका है। ऐसे क्षेत्र में सर्वोच्च सेनानायक की मौजूदगी सैनिकों के मनोबल को कई गुना बढ़ाती है और विरोधी ताकतों को स्पष्ट संदेश देती है कि भारत नेतृत्व और तैयारी दोनों में अग्रिम पंक्ति में खड़ा है।

हम आपको बता दें कि यह उड़ान पोखरण फायरिंग रेंज के ऊपर से हुई, जहां वायुसेना का फायरपावर प्रदर्शन वायु शक्ति आयोजित हो रहा है। दिन से शाम और फिर रात तक चलने वाले इस प्रदर्शन में भारत अपनी हवाई ताकत का व्यापक प्रदर्शन करता है। ऐसे समय पर राष्ट्रपति की सक्रिय भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक नेतृत्व और सैन्य शक्ति के बीच पूर्ण सामंजस्य है।

हम आपको बता दें कि इससे पहले राष्ट्रपति ने अंबाला एयर फोर्स स्टेशन से राफेल फाइटर जेट में उड़ान भरी थी और तेजपुर में सुखोई-30 एमकेआई में भी सवारी की थी। दो अलग-अलग फाइटर प्लेटफॉर्म पर उड़ान भरने वाली वह पहली भारतीय राष्ट्रपति बनीं। लगभग तीस मिनट की राफेल उड़ान में उन्होंने पंद्रह हजार फीट की ऊंचाई और सात सौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार का अनुभव किया था। इन साहसिक निर्णयों की श्रृंखला अब प्रचंड तक पहुंच चुकी है। यह सिलसिला दिखाता है कि राष्ट्रपति केवल औपचारिक सेनानायक नहीं, बल्कि तकनीक, रणनीति और जमीनी हकीकत से जुड़ी नेतृत्वकर्ता हैं।

लोक अदालत से शीघ्र, सुलभ व सक्षम न्याय-शाम्भवी

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रतापगढ़। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक्शन ऑफ प्लान के तहत विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उच्च प्राथमिक विद्यालय मढ़रामऊ में किया गया जिसमें सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाम्भवी द्वितीय के द्वारा उपस्थित जन समूह को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा संचालित कार्यक्रमों को कार्यक्रमों के बारे में बताया गया। तहसील पट्टी के अंतर्गत तीन लीगल एड क्लीनिक आसपुर देवसरा, पट्टी, बाबा बेलखरनाथ धाम में स्थापित है, जहां पर किसी भी वाद या शिकायत के संबंध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए जा सकते हैं, मध्यस्थता से जुड़े मामले के निस्तारण के लिए मध्यस्थता केंद्र स्थापित है, विवाद से पूर्व प्रिलिगेशन की व्यवस्था है, जिसमें व्यक्ति आपसे सुबह समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण कर सकते हैं, ठीक उसी तरीके से वाद दर्ज होने के बाद राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अपने वाद का निस्तारण आपसी सुलह समझौता के आधार पर कर सकते हैं। खंड शिक्षा अधिकारी सुशील त्रिपाठी ने बताया कि परिषदीय विद्यालय आधुनिक विद्यालय के रूप में विकसित हो रहे हैं हमारे पास सुयोग्य अध्यापक, आधुनिक भवन, स्वच्छ वातावरण में बच्चों को उत्तम शिक्षा प्रदान की जा रही है, जहां एक से आठ तक के बच्चों को निशुल्क अनिवार्य रूप से शिक्षा प्रदान की जा रही है, बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हर समय निरंतर प्रयास किया जाता है।

पैनल अधिवक्ता इंद्र प्रकाश तिवारी ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में निशुल्क विधिक सहायता प्रदान की जाती है चाहे वह गरीब हो निधन हो असहाय हो महिला हो या आश्रित लोगों सभी को निशुल्क विधि सहायता प्रदान की जाती है। सुनील कुमार प्रभाकर ने बताया कि सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाएं जन्म के पूर्व से लेकर मृत्यु के बाद तक की योजनाएं सरकार चल रही है जो सीधे लाभार्थियों को जोड़ती है। राम प्रकाश पांडे पीएलबी ने महिलाओं रोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो सकती हैं।

हृदय राम मौर्य एडीओ आर डी द्वारा उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुनीन्द्र प्रताप भारती प्रभारी लीगल एड क्लिनिक आसपुर देवसरा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद न्यायालय प्रतापगढ़ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में रविंद्र कुमार यादव प्रधानाध्यापक, अशोक यादव ग्राम प्रधान, अखिलेश यादव पीएलवी कुसुम, रवि शीला, पैनल अधिवक्ता बसंतलाल , मनोज कुमार सोनकर, जेइ लघु सिंचाई आनंद भूषण, विशाल त्रिपाठी, सोनू , सुनील, गोविंद ग्राम विकास अधिकारी, मोतिमनी उपस्थित रहे।

राजकीय धान क्रय केन्द्रों की समयावधि बढ़ाए जाने को लेकर मोना ने कृषि मंत्री को लिखा पत्र

कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता ने निर्धारित समयावधि से पहले क्रय केंद्रों को बंद किये जाने पर कार्रवाई की भी उठाई मांग

प्रयाग केसरी संवाददाता

लालगंज प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही को पत्र लिखकर राजकीय धान क्रय केन्द्रों के संचालन की समयावधि बढ़ाये जाने की मांग उठाई है। शुक्रवार को कृषि मंत्री को लिखे पत्र में विधायक मोना ने कहा है कि प्रदेश में राजकीय धान क्रय की प्रक्रिया के तहत धान क्रय केंद्रों पर पिछले पहली नवंबर से अटठाईस फरवरी 2026 तक संचालित कराए जाने का आदेश पारित हुआ था। उन्होने विभागीय मंत्री का इस गंभीर मुददे पर ध्यानाकर्षण कराते हुए कहा है कि इस समयावधि के पूर्व ही धान क्रय केंद्रों का संचालन बंद कर दिया गया। उन्होने कहा कि इससे उनके निर्वाचन क्षेत्र रामपुरखास व गृह जनपद प्रतापगढ़ सहित प्रदेश के कई जिलों में अनेक किसानों का धान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क्रय नही हो सका है। उन्होने कहा कि केन्द्रों के अचानक बीच में ही बंद हो जाने से अनेक किसानो को कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होने कृषि मंत्री से कहा है कि इस मुददे पर वह विधानसभा सत्र में सदन के जरिए भी सरकार का ध्यानाकर्षण करा चुकी हैं। विधायक आराधना मिश्रा मोना ने सरकार से कहा है कि किसानों को आर्थिक नुकसान न हो इसके लिए राजकीय धान क्रय केंद्रों के संचालन की समयावधि में संशोधन करते हुए पुनः इसे यथोचित समय तक बढ़ाया जाना चाहिए। वहीं सीएलपी नेता आराधना मिश्रा मोना ने इस प्रकरण की सरकार से गंभीरतापूर्वक जांच कराते हुए प्रकरण सही पाए जाने पर दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के विरूद्ध समुचित कठोर कराए जाने की भी मांग उठाई है। उन्होने पत्र के जरिए विश्वास व्यक्त किया है कि कृषि मंत्री किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए क्रय केंन्द्रो की समयावधि बढ़ाए जाने पर अवश्य गंभीरतापूर्वक विचार करेंगे। विधायक मोना के द्वारा कृषि मंत्री को लिखे गये पत्र की जानकारी शुक्रवार को यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने जरिए विज्ञप्ति दी है।

अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक को पारित कराए जाने पर वकीलों ने उठाई आवाज

लखनऊ हाईकोर्ट परिसर में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को अर्पित की गयी पुष्पांजलि

प्रयाग केसरी संवाददाता

लखनऊ। अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक की मांग को लेकर शुक्रवार को भी वकीलों ने हाईकोर्ट परिसर में आवाज बुलंद की। कार्यक्रम का शुभारंभ एसोसिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल व राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार तिवारी तथा वरिष्ठ अधिवक्ता गिरीश मिश्र ने परिसर में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। वही एफ ब्लाक में हुई सभा में अधिवक्ता सुरक्षा यात्रा में सहयोग प्रदान करने वाले अधिवक्ताओं को एसोसिएसन की ओर से सम्मान पत्र भी दिया गया। अधिवक्ताओं ने गेट नंबर छः पर एकजुट होकर अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक को लेकर नारेबाजी भी की। एसोसिएसन द्वारा अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम में सहयोग करने के लिए शिल्पी राय, गीता कुमारी, नीता सिंह चंदेल, पंकज कुमार सिंह, अंजू सिंह, साधना निषाद को सम्मानित भी किया। वहीं एसोसिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल व राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार तिवारी हाईकोर्ट परिसर में शाम को आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में भी शामिल हुए। इस मौके पर एसोसिएसन के मण्डलीय अध्यक्ष आनन्द त्रिपाठी, विजय पाल, रोहित तिवारी, आयुष त्रिपाठी, योगेन्द्र सिंह, अवधेश तिवारी आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

सिविल लाइंस के चौकी प्रभारी का हुआ सम्मान

प्रतापगढ़। शहर के वीआईपी क्षेत्र सिविल लाइंस के चौकी प्रभारी उप-निरीक्षक अनुपम त्रिपाठी को उनके उत्कृष्ट कार्यों और सराहनीय योगदान के लिए शुक्रवार को सम्मानित किया गया। यह सम्मान शिवाला महोत्सव समूह की ओर से महोत्सव के आयोजक परमानंद मिश्र व संयोजक शिवेश शुक्ल एडवोकेट ने अधिवक्ताओं संग प्रदान किया। अधिवक्ताओं ने श्री त्रिपाठी को क्षेत्र में बेहतर पुलिसिंग व्यवस्था कायम रखने व अपराध नियंत्रण रखने हेतु लगातार प्रयासरत रहने एवं शिवाला महोत्सव पूरे ईश्वर नाथ में सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम बनाए रखने के लिए अंगवस्त्र व भगवान गौरीशंकर का चित्र भेंट कर उनका अभिनंदन सम्मान किया।इस मौके पर प्रमुख रूप से जूनियर बार एसोसिएशन पुरातन के पूर्व महामंत्री अधिवक्ता दिनेश पाण्डेय, अधिवक्ता परिषद के महामंत्री शिवेश कुमार शुक्ल, समाजसेवी परमानंद मिश्र एडवोकेट, राजबली यादव, आशीष शर्मा, सुरेश, राकेश शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

लव सिंह गहलौत को भाजपा मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर कसेरुआ में लोगों ने किया भव्य स्वागत

कसेरुआ में लोगों ने माला पहना कर व लड्डू खिलाकर दिया आशीर्वाद

प्रयाग केसरी संवाददाता

दुर्गागंज (प्रतापगढ़)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा रानीगंज विधान सभा के देल्हूपुर मंडल से लव सिंह गहलौत एडवोकेट को मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर गहलौत की ग्राम सभा कसेरूआ में बड़ी संख्या में लोग महेंद्र सिंह, नवाब सिंह, अमरनाथ पटेल, दिलदार खान, विशाल सिंह, नन्हेंलाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में एकत्र होकर नव नियुक्त मंडल अध्यक्ष लव सिंह गहलौत एडवोकेट का अंगवस्त्र और माल्याणपण करके भव्य स्वागत किया। और सभी लोगों को लड्डू खिला कर मुंह मीठा कराया।

इस अवसर पर लव सिंह गहलौत ने लोगों से कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के साथ केंद्र और प्रदेश में सरकार है। पार्टी ने जो भी जिम्मेदारी दी है उसका आप लोगों के सहयोग से पूरा करने का कार्य करूंगा।आगे गहलौत ने कहा कि सभी के सुख दुख में हमेशा खड़ा रहूंगा।

इस अवसर पर अब तक मंडल उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी देख रहे विजय कुमार मौर्य ने भी लोगों का आभार व्यक्त किया और आगे भी सभी को भाजपा से जुड़े रहने के लिए आग्रह किया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य लल्लन सिंह परिहार, शिव प्रसाद पटेल, सीबी सिंह, बंका सिंह, आजाद सिंह, जालिम सिंह, योगराज सिंह , मगन सिंह, शारदा प्रजापति, डाक्टर दिलीप कुमार सरोज, सूरज सिंह, रबी सिंह, अनूप सिंह परिहार, शिवम सिंह, राजू पटेल, संतोष सरोज, रामकिशुन पटेल, देवलाल पटेल, दिलवर सिंह, जगनारायण सिंह, राजू श्रीवास्तव भगेलू सिंह, आदि लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

आगामी 8 मार्च को होगा बृहद रोजगार मेले का आयोजन

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रयागराज। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय परिसर में 8 3.2026 को प्रातः 10:00 बजे से मिशन शक्ति के अंतर्गत (केवल महिलाओं हेतु) बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाना है उक्त मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों द्वारा 3000 रिक्त पदों पर चयन की कार्यवाही की जायेगी । रोजगार मेले में हाईस्कूल/इंटर/स्नातक/ आईटीआई/ डिप्लोमा/ बीटेक उत्तीर्ण, आयु सीमा 18 से 40 वर्ष के महिला अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल पर अपना पंजीयन करके अपने समस्त शैक्षिक प्रमाणपत्र, अंकपत्र, एवं जाति प्रमाण पत्र की छत्रपति के साथ प्रतिभा कर सकते हैं। महिला अभ्यर्थी रिक्तियों से संबंधित विवरण रोजगार संगम पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं इस मेले में प्रतिभाग करने हेतु यात्रा देय नहीं है ।

ग्राम सभा नौढ़ीया तरहार में खनन अधिकारी वैभव सोनी की बड़ी कार्रवाई

घाटों पर जाकर के बालू पानी में फेंकवाया और जेसीबी द्वारा रास्ता कराया

बंद खनन माफियाओं में हड़कंप, वैभव सोनी ने कहा अपराधियो को बक्सा नही जायेगा

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रयागराज। जनपद के यमुनानगर लालापुर थाना क्षेत्र के यमुना नदी में नौढिया, पंडुवा, प्रतापपुर, सेमरी आदि घाटों और आसपास के अन्य चिन्हित स्थानों पर हो रहे अवैध बालू खनन के खिलाफ शुक्रवार को प्रशासन ने व्यापक और प्रभावी अभियान चलाया। खनन इंस्पेक्टर वैभव सोनी और लालापुर थाना प्रभारी अनुभव सिंह के नेतृत्व में पुलिस और खनन विभाग की संयुक्त टीम ने कई बिंदुओं पर एक साथ पहुंचकर रास्ते को बंद कराया। टीम ने उन मार्गों और घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया जहां से अवैध रूप से बालू की निकासी और परिवहन किया जा रहा था। तत्पश्चात जेसीबी से विभिन्न स्थानों पर गड्ढे खुदवाए गए ताकि अवैध खनन की गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जा सके।यमुना घाटों पर संयुक्त छापेमारी की गई, जहां से अवैध बालू को जेसीबी की मदद से यमुना नदी में पलटवा दिया गया। खनन माफियाओं द्वारा बनाए गए गुप्त रास्तों को जेसीबी मशीन से ध्वस्त कर दिया गया।अवैध रूप से निकाली गई बालू को जेसीबी की मदद से यमुना नदी में पलटवा दिया गया।पुलिस व खनन विभाग की कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया और कई लोग मौके से फरार हो गए। खनन इंस्पेक्टर ने बताया कि अवैध खनन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी और आगे भी ऐसे ही नियमित कार्यवाही जारी रहेगी। इस कार्यवाही से अवैध खनन माफियाओं में बड़ा झटका लगा है और क्षेत्रीय लोगों में प्रशासन की इस कार्यवाही से सराहना हो रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि क्षेत्र में अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यमुना नदी के कई घाटों पर अवैध खनन की शिकायतें मिली थी, इसके बाद यह कार्यवाही की गई है। जिससे अवैध खनन पर अंकुश लगेगा और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

पुरे बेदुआ में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रतापगढ़। कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ दीपक शुक्ला के नेतृत्व में पुरे बेदुआ, कटरा रोड में एक दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी जी उपस्थित रहे।

शिविर में डॉ दीपक शुक्ला (डेंटल), डॉ.अनिल श्रीवास्तव (नेचुरल पैथी), डॉ.संजय पाल (होम्योपैथी) एवं डॉ अनिल कुमार श्रीवास्तव (योगा थैरेपिस्ट), डॉ.अनिल कुमार त्रिपाठी ने मरीजों का जांचोपरांत इलाज किया।

शिविर में लगभग दो दर्जन से ज्यादा मरीजों ने निशुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ उठाया। प्रमुख रूप से महक, पवन कुमार श्रीवास्तव, प्रभावती देवी, आशीष कुमार, स्वामीनाथ मौर्य, अनिल त्रिपाठी, हरिकेश पांडे, मोहम्मद अकरम, कृष्ण कुमार, शिवांश विश्वकर्मा, गिरजा शंकर पटेल, जयप्रकाश शर्मा, सुनीता फुलवारी, अंजनी कुमार, दिनेश कुमार प्रजापति, सुभाष, सूरज यादव, रामकली, पुष्पराज वर्मा आदि मरीज उपस्थित रहे।

इस शिविर में शुगर, किडनी, घुटनो का दर्द, माइग्रेन, लीवर, कब्ज, थायराइड, बी.पी. जैसी बीमारियों का समाधान किया गया। इसके अलावा महिलाओं से सम्बन्धित बीमारियों का भी इलाज हुआ।

डॉ नीरज त्रिपाठी ने कहा, 'यह शिविर गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए एक वरदान है। कांग्रेस पार्टी हमेशा से ही गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रही है।'

चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ दीपक शुक्ला ने कहा, 'हमारा उद्देश्य है कि हर गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति को अच्छी चिकित्सा मिले। इस शिविर के माध्यम से हमने लोगों को निशुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान की हैं। हम आगे भी ऐसे शिविरों का आयोजन करते रहेंगे।'

डॉ अनिल कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एक्यूप्रेशर और एक्यूपंचर उपचार केंद्र की सेवाओं से मरीजों को बेहतर इलाज मिल रहा है त हमारे यहाँ केंद्र में रेकी, सुपर एडवांस्ड चाइनीज आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर और एक्यूपंचर के माध्यम से लोगों का इलाज किया जाता है। इस अवसर पर मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष वेदान्त तिवारी, प्रेम शंकर द्विवेदी, राहुल सरोज, नूर आलम, देवमणि पाण्डेय उपस्तिथ रहे।

मेजा कोहड़ार गांव में दबंगों का हमला

महिलाओं पर लाठी-डंडों से प्रहार हुई घायल, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रयाग केसरी संवाददाता

मेजा (प्रयागराज)। थाना क्षेत्र अंतर्गत कोहड़ार गांव में दबंगई का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों द्वारा एक ही परिवार की महिलाओं और युवतियों पर लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से जानलेवा हमला किए जाने का आरोप है। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला?

पीड़िता बितोला देवी पत्नी पंचू सोनकर (निवासी ग्राम कोहड़ार) ने थाना प्रभारी मेजा को दिए शिकायती पत्र में बताया कि घटना 26 फरवरी 2026 की सुबह लगभग 11:00 बजे की है। आरोप है कि छोटे, दुलारे (पुत्रगण अहमद निशार), सरताज (पुत्र अहमद निशार) और छोटू (पुत्र मुसई) एकजुट होकर उनके घर पर चढ़ आए और विवाद करने लगे।

जातिसूचक गालियां और हमला

शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने पीड़िता और घर की युवतियों–रंजना, लक्ष्मी, रानी और अर्चना–को भद्दी गालियां दीं तथा जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अपमानित किया। विरोध करने पर हमलावरों ने कथित तौर पर 'खटीकवा साले को आज जिंदा मत छोड़ो, जान से मार डालो' कहते हुए लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया।

घायलों की स्थिति

हमले में बितोला देवी का सिर और मुंह बुरी तरह फट गया तथा शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आई हैं। घर की अन्य युवतियों के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप है। घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है और उपचार के लिए शहर के अस्पताल में भेज दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गांव में तनावपूर्ण माहौल को शांत कराया। पीड़िता की तहरीर के आधार पर नामजद चार लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

पीड़ित पक्ष ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी हुई।

एम.एल. पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज के प्रांगण में वार्षिकोत्सव समारोह आज

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रयागराज। मेजा क्षेत्र के एम. एल. पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज बगहा, सिरसा, प्रयागराज के प्रांगण में वार्षिकोत्सव समारोह आज धूम धाम से मनाया जाएगा। वार्षिकोत्सव समारोह में स्कूल के बच्चो द्वारा गीत, नृत्य, नाटक प्रस्तुत किया जाएगा। कॉलेज के चेयरमैन दुर्गा प्रसाद गुप्ता ने बताया कि वार्षिकोत्सव समारोह में सिविल डिफेंस प्रयागराज के डिवीजन प्रमुख रौनक गुप्ता, एसीपी मेजा संत प्रसाद उपाध्याय, उपजिलाधिकारी मेजा सुरेंद्र प्रताप यादव सहित कई प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी व संभ्रांत लोग वार्षिकोत्सव समारोह में उपस्थित रहेंगे।

एनयूजे प्रयागराज ने आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धाजँलि

देशहित तथा निष्पक्ष पत्रकारिता ही सच्ची श्रद्धाजँलि- कुन्दन श्रीवास्तव

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रयागराज। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट इंडिया के प्रयागराज जिला इकाई ने देश के आजादी के आन्दोलन के महानायक माँ भारती के बीर सपूत शहीद चंद्रशेखर आजाद को अपनी श्रदासुमन अर्पित कर श्रद्धाजँलि दी। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट इंडिया प्रयागराज के जिला इकाई के पदाधिकारियों तथा सदस्यों ने शेरे हिन्दुस्तान चंद्रशेखर आजाद के शहीद स्थल आजाद पार्क (अलफ्रेड पार्क) स्थित प्रतिमा स्थल पर श्रदासुमन अर्पित कर श्रद्धाजँलि दी।

शहीद स्थल पर ही श्रद्धाजँलि सभा आयोजित की गयी। सभा को सम्बोधित करते हुए जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद को सच्ची श्रद्धाजँलि तभी होगी जब हमारी पत्रकारिता मे देशहित सर्वप्रथम तथा निष्पक्ष पत्रकारिता हो। इस पावन अवसर पर एनयूजे प्रयागराज भारत सरकार से मांग करता है कि देश के आजादी के आन्दोलन मे अदम्य साहस वीरता तथा देश के प्रति त्याग ओर बलिदान को ध्यान रखते हुए शहीद चंद्रशेखर आजाद को भारत रत्न सम्मान दे।

चंद्रशेखर आजाद के प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करने तथा श्रद्धाजँलि सभा को सम्बोधित करने वालों में अखिलेश शुक्ला, चित्रांशी यादव, मधुर दरबारी, सुशांत त्रिपाठी, वी के यादव, देवेन्द्र शुक्ला, शीतला तिवारी, रतन शुक्ला, अश्वनी श्रीवास्तव, सैय्यद सुहैल हनीफ, आनन्द निषाद, संजय निषाद, मो शाहिद, अखिलेश अस्थाना, जितेन्द्र कुमार, पंकज पाल, कमल राज साहू आदि सदस्य और पदाधिकारी गण थे।

सड़क हादसे में युवक की हुई मौत

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के लेप्रोसी मिशन चौराहे के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुड़ मंडी चौक प्रयागराज निवासी दिलीप केसरवानी अपनी दोपहिया वाहन से एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए नैनी स्थित एक गेस्ट हाउस जा रहे थे। उनकी पत्नी मधु केसरवानी अपने तीन बच्चों के साथ बैटरी रिक्शा से पीछे आ रही थी। इसी दौरान लेप्रोसी मिशन चौराहे पर एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दिलीप केसरवानी की मौके पर ही मृत्यु हो गई। दुर्घटना के बाद डंपर चालक फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पत्नी मधु केसरवानी ने थाना नैनी में तहरीर देकर उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दोषी चालक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जलसंस्थान कर्मी पुत्र के खुदकुशी मामले में मां ने जताई हत्या की आशंका

जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज कराई शिकायत, निष्पक्ष जांच की मांग

प्रयाग केसरी संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी के इंदलपुर ग्राम में जल संस्थान कर्मी इंद्रजीत भारतीया (30) की खुदकुशी के मामले में उसकी मां इन्द्रकली ने सवाल उठाया है। जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायती प्रार्थना पत्र देकर बेटे की मौत की जांच अपराध शाखा पुलिस से कराने की मांग की है। मृतक आश्रित उसकी मां इन्द्रकली पत्नी स्वर्गीय हरिश्चंद्र ने जनसुनवाई पोर्टल में दर्ज कराई गई शिकायत में बेटे की हत्या किए जाने का शक जताया है। बता दें कि 24 जनवरी 2026 की रात में इंद्रजीत भारतीया (30) पुत्र स्वर्गीय हरिश्चंद्र भारतीया का शव उसके कमरे में पंखे से लटका हुआ मिला था। इंद्रजीत भारतीया जल संस्थान के इंदलपुर पानी की टंकी में तैनात रहा। उसकी मां इन्द्रकली ने बेटे की हत्या का शक जाहिर करते हुए उसके ससुराल पक्ष पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है और मामले में निष्पक्ष जांच व एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उसने शिकायती प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि बेटे की पहले गला दबाकर हत्या की गई और बाद में घटना को

आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को पंखे से लटका दिया गया। घटना के समय घर का दरवाजा बाहर से बंद था। 25 जनवरी 2026 को घटना की जानकारी पड़ोसी से मां इन्द्रकली को हुई थी। प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख है कि इंद्रजीत भारतीया को पूर्व में कुछ लोगों द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई थी। नैनी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। मां का आरोप है कि अभी तक आरोपितों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। पीड़िता मां ने मामले की उच्चस्तरीय व निष्पक्ष जांच तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायती पत्र में मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का आग्रह किया गया है।

प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर सार्वजनिक नालों पर अवैध कब्जे के कारण जलनिकासी व्यवस्था हुई ठप

सड़क किनारे बने नाले जगह-जगह पर हो चुका है जर्जर, नालों में कूड़े की ढेर हो चुकी है एकत्रित

अखिलेश शुक्ल

नैनी, प्रयागराज। प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर स्थित नैनी क्षेत्र में दोनों ओर बने सार्वजनिक नालों पर अवैध कब्जे के कारण जलनिकासी व्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित हो गई है। नालों को कई स्थानों पर पाट दिए जाने और अतिक्रमण कर निर्माण कर लेने से गंदे पानी का बहाव रुक गया है, जिसके चलते सड़क पर पानी जमा होने लगा है। यह स्थिति न केवल यातायात के लिए परेशानी खड़ी कर रही है, बल्कि आसपास के लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, लंबे समय से नालों की नियमित सफाई नहीं कराई गई है। ऊपर से जिन स्थानों पर नालों को अवैध रूप से पाट दिया गया है, वहां पानी की निकासी पूरी तरह बंद हो चुकी है। परिणामस्वरूप गंदा और दूषित पानी सड़क पर फैल रहा है, जिससे दुर्गंध और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया, टायफाइड जैसी संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका गहरा गई है।

बारिश के दौरान स्थिति और

भी भयावह हो जाती है। हल्की वर्षा में ही हाईवे पर जलभराव हो जाता है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार फिसलन के कारण दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि सड़क पर जमा पानी के कारण ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही है, जिससे व्यापार पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

क्षेत्रवासियों ने नगर निगम से मांग की है कि अविलंब नालों की सफाई कराई जाए और जहां-जहां अतिक्रमण कर नालों को पाटा गया है, वहां से अवैध कब्जा हटाकर जलनिकासी को सुचारु किया जाए। लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो स्थिति बद से बदतर हो सकती है और इसका सीधा प्रभाव आम जनमानस के स्वास्थ्य और दैनिक जीवन पर पड़ेगा।स्थानीय प्रशासन और नगर निगम के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे मौके का निरीक्षण कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि नैनी क्षेत्र को जलभराव और संभावित स्वास्थ्य संकट से बचाया जा सके।

कोरांव चेयरमैन ने शास्त्री नगर में निर्माणाधीन इंटरलाकिंग सड़क का निरीक्षण कर दिया निर्देश

प्रयाग केसरी संवाददाता

कोरांव (प्रयागराज)। नगर पंचायत कोरांव के विकास पुरुष चेयरमैन ओम प्रकाश केशरी द्वारा लगातार रुप से नगर विकास हेतु हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। नगर पंचायत कोरांव को मूलभूत सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए दिन रात अथक परिश्रम करते हुए विकास योजनाओं को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। नगरवासियों की आवागमन समस्या को दूर करने के लिए चेयरमैन ओम केशरी शासन स्तर पर जिम्मेदारों से मुलाकात कर विकास कार्य का अनुरोध किया जा रहा है। शास्त्री नगर में वर्षों से विकास की राह देख रहे नगरवासियों को अध्यक्ष ने सौगात दी। शुक्रवार को चेयरमैन ओम प्रकाश केशरी ने निर्माणाधीन इंटरलॉकिंग सड़क का निरीक्षण कर कार्यदाई संस्था को पूरी ईमानदारी के साथ सड़क का निर्माण किए जाने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मेरा पूरा प्रयास है कि नगर पंचायत कोरांव का कोई भी मोहल्ला मूलभूत सुविधाओं से अछूता न रहे। सभी मोहल्लों में बिजली सड़क व पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही नगर पंचायत कोरांव में सड़कों का जाल बिछेगा और नगरवासियों को बारिश के मौसम में आवागमन की समस्या से निजात मिलेगा। फिलहाल सड़क निर्माण को लेकर लोगों में खुशी का माहौल देखा गया जो चेयरमैन ओम प्रकाश केशरी के लिए शुभकामनाएं करते रहे। ज्ञात हो कि जबसे नगरवासियों ने कर्मठ विकास पुरुष ओम प्रकाश केशरी को नगर पंचायत अध्यक्ष का ताज पहनाया है तबसे चेयरमैन द्वारा नगर विकास की संकल्पना को मूर्त रूप दिए जाने की मुहिम चलाई गई है और नगर का कायाकल्प कराया जा रहा है। इस दौरान प्रमुख रूप से सुमित कुमार पाण्डेय प्रभंजन शर्मा धर्मराज तिवारी रामचन्द्र पटेल गया प्रसाद पटेल सहित कई अन्य नगरवासी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत स्वयंसेवकों ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी जागरूकता रैली निकाली

प्रयाग केसरी संवाददाता

नवाबगंज (प्रयागराज)। रामदुलारी बच्चू लाल जायसवाल महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौडिहार जाकर के साफ सफाई किया ।तथा वहां के प्रमुख अधीक्षक अमरेश वर्मा एवं सिद्धार्थ मिश्रा जी द्वारा स्वयंसेवकों को साफ सफाई से रहने एवं स्वस्थ रहने के लिए स्वयंसेवकों को प्रेरित किया गया। तत्पश्चात विद्यालय कैंपस में शिविर के दौरान बौद्धिक कार्यक्रम में सचिन जी द्वारा स्वयंसेवकों को टीमवर्क व लीडरशिप में कार्य करने की प्रेरणा दी गई एवं स्वच्छ जीवन शैली अपनाने के लिए संकल्पित किया गया इस कार्यक्रम में एन.एस.एस. प्रभारी सोनू केसरवानी, प्रवक्ता आशुतोष गुप्ता शिविर संयोजिका सपना साहू, मुख्य स्वयंसेवक प्रशांत त्रिपाठी, रजनीश पटेल, , रोशनी विश्वकर्मा सहित अन्य उज्जवल भविष्य निर्माता स्वयंसेवक उपस्थित रहे भोजन प्रबंधन में मीराबाई टीम के अलीशा, बबली, आरती गौतम, कशिश, कायनात, दीपावली, दीपांजलि, शिवानी पटेल, सेजल का योगदान सराहनी रहा।

सोशल मीडिया उपयोगकर्ता सावधान!

न्यायपालिका पर अभद्र टिपण्णी करना पड़ेगा भारी, उच्च न्यायालय ने दी सख्त चेतावनी

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सोशल मीडिया पर न्यायपालिका के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी टिप्पणियां निष्पक्ष आलोचना के दायरे से बाहर हैं और ऐसा करने पर अवमानना के तहत सख्त कार्रवाई की जा सकती है। न्यायमूर्ति जे जे मुनीर और न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने कहा कि यदि यह अदालत ऐसी पोस्ट को अवमानना के क्षेत्राधिकार में संज्ञान में लेती है तो उस पोस्ट पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अदालत ने कहा, "हम लोगों को भविष्य में सावधान रहने की याद जरूर दिलाना चाहेंगे क्योंकि सोशल मीडिया पर कहे गए ऐसे शब्द जो स्पष्ट रूप से अवज्ञाकारी हों, जब भी अवमानना के क्षेत्राधिकार में संज्ञान में लिये जाते हैं, अवमानना करने वाले को कानून के तहत दंड का सामना करना पड़ सकता है।" अदालत ने कहा कि सोशल मीडिया पर इस प्रकार अपशब्द कहना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा लांघता है। अदालत ने बस्ती की एक जिला अदालत में अधिवक्ता हरि नारायण पांडेय के आचरण के संबंध में अदालतों की अवमानना अधिनियम 1971 की धारा 15 के तहत एक आपराधिक अवमानना मामले के

संदर्भ में यह टिप्पणी की।

अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि सोशल मीडिया पर उच्च अदालतों को लेकर कहे गए अपशब्द किसी भी तरह से उचित टिप्पणी या निर्णय की आलोचना के दायरे में नहीं आते। अदालत ने इस बात पर गौर किया कि निंदा करने वाला व्यक्ति ने अपने शब्दों को न्यायोचित नहीं ठहराया और उसने स्वीकार किया कि उस दिन जब यह घटना हुई, उस समय वह अत्यंत व्यथित था। अधिवक्ता के खिलाफ मुकदमा समाप्त करते हुए अदालत ने 24 फरवरी को अपने निर्णय में कहा कि अधिवक्ता काफी लंबे समय से वकालत के पेशे में है और उसने बिना किसी शर्त के माफी मांग ली है जिसे अधीनस्थ अदालत के न्यायाधीश ने स्वीकार कर लिया है।

जलकल विभाग नगर निगम में कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रयागराज। कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन खुशरोबाग जलकल में आयोजित किया गया। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य जांच की गयी, जिसमें रक्तचाप, शुगर, और अन्य स्वास्थ्य जांच शामिल हैं। इसके अलावा, लगभग 400 कर्मचारियों को मुफ्त परामर्श और दवाएं भी प्रदान की गयी।

नगर निगम के मा. महापौर महोदय द्वारा शिविर का उद्घाटन किया गया, महोदय ने बताया कि यह शिविर कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य अपने कर्मचारियों को स्वस्थ और खुशहाल जीवन प्रदान करना है।

शिविर में भाग लेने के लिए कर्मचारियों से अनुरोध है कि वे अपना समय समय पर हेल्थ चेकअप कराते रहे, यह शिविर हर तीन महीनों में और जोनल कार्यालयों में भी आयोजित किया जायेगा। शिविर में कुमार गौरव महाप्रबंधक, राधेश्याम, शिवम, संघ भूषण, संजीव कुमार अधिशासी अभियंता एवं लेखाधिकारी सुजीत कुमार और सभी सहायक अभियंता, अवर अभियंता उपस्थित रहे।

परमार्थ त्रिवेणी पुष्प, प्रयागराज में भगवान जगन्नाथ प्राण-प्रतिष्ठा पूर्णाहुति समारोह संपन्न

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयागराज के पावन संगम तट पर स्थित परमार्थ त्रिवेणी पुष्प परिसर में भगवान जगन्नाथ के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की दिव्य पूर्णाहुति अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुई। इस ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक अवसर पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, अध्यक्ष परमार्थ निकेतन, के सान्निध्य में संत समाज, शिक्षाविदों, न्यायविदों, उच्चाधिकारियों, उद्योगपतियों तथा सैकड़ों श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

समारोह में भगवान जगन्नाथ धाम पुरी से पधारे प्रमुख आचार्य मधुसूदन सहित प्रयागराज के लगभग सभी मठों, अखाड़ों, मंदिरों एवं आश्रमों के पूज्य संतों ने अपनी पावन उपस्थिति से आयोजन को आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक पहुँचाया। वैदिक मंत्रोच्चार, हवन, यज्ञ और पूर्णाहुति के साथ सम्पूर्ण वातावरण भक्ति और दिव्यता से ओतप्रोत हो उठा।

इस अवसर पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि 'प्राण-प्रतिष्ठा अर्थात् अपने हृदय में ईश्वर की चेतना जगाने का संकल्प है। जब तक हमारे भीतर संस्कार, सेवा और सद्भाव की प्रतिष्ठा नहीं होगी, तब तक समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है।

उन्होंने विशेष रूप से ऋषिकन्याओं द्वारा संगम आरती की परंपरा प्रारंभ करने का आह्वान करते हुए कहा कि हमारी बेटियाँ केवल परिवार की शक्ति नहीं, बल्कि संस्कृति और राष्ट्र की आधारशिला हैं। संगम तट, न्यू अरैल घाट पर ऋषिकन्याओं द्वारा नियमित आरती भारतीय संस्कृति की गरिमा, नारी शक्ति और आध्यात्मिक नेतृत्व का प्रतीक बनेगी। इसी क्रम में उन्होंने कन्या गुरूकुल खोलने की घोषणा की, जहाँ बालिकाओं को वेद, संस्कृत, योग, ध्यान, भारतीय संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक शिक्षा का समन्वित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

स्वामी ने कहा कि 'नारी शिक्षित होगी तो राष्ट्र सशक्त होगा। कन्या गुरूकुल भारत की उस प्राचीन परंपरा को पुनर्जीवित करेगा, जहाँ ज्ञान, संस्कार और सेवा का संगम होता था। भारत की अन्य भाषाओं में भी कर्मकाण्ड का प्रशिक्षण उन कन्याओं को दिया जायेगा ताकि वे संस्कारों व संस्कृति की अलख जगा सके। स्वामी ने इस पूरे आयोजन के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के लिये विनोद बागरोडिया जी, रजत बागरोडिया जी, श्रीमती उपासना बागरोडिया, श्रीमती आभा बागरोडिया, आभा बागरोडिया ट्रस्ट, अरूण सारस्वत जी, आचार्य दीपक शर्मा, रेखा मशरूवाला, अतुल मशरूवाला, माधव, आचार्य दीलिप, संतोष गुप्ता, संतोष पाण्डेय, शिव, अन्जना, समस्त ऋषिकुमार, पुरी से महाप्रसाद बनाने आये महाराज, समस्त पुरोहितगण और सभी का अभिनन्दन कर सम्मानित किया।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर लगी रोक, आदेश सुरक्षित

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नाबालिगों के कथित यौन शोषण मामले में दर्ज पाक्सो केस में नामजद शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए उनकी अग्रिम जमानत अर्जी पर आदेश सुरक्षित रख लिया है। शुक्रवार शाम करीब एक घंटे से भी अधिक समय तक चली सुनवाई के बाद खचाखच भरी कोर्ट में न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकल पीठ ने अपना आदेश सुनाया। यह फैसला स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद तथा उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। आशुतोष ब्रह्मचारी की अर्जी पर विशेष न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट) के आदेश के क्रम में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद व अन्य के खिलाफ बीते रविवार को झूंसी थाने में एफआइआर दर्ज की गई थी। झूंसी पुलिस मुकदमा दर्ज होने के बाद पूछताछ कर चुकी है। पीड़ितों का बयान और मेडिकल भी हो चुका है। माघ मेला तथा महाकुंभ में नाबालिगों के साथ कुकर्म का आरोप स्वामी और उनके सहयोगी स्वामी मुकुंदानंद के खिलाफ है। सुनवाई से पहले ही कोर्ट नंबर 72 खचाखच भर गई थी। बचाव पक्ष ने एक पीड़ित को नाबालिग बताया। पीड़ितों की तरफ से अग्रिम जमानत अर्जी का विरोध किया गया।

होली से पहले पुलिस की बड़ी कार्रवाई : यमुना किनारे 70 क्विंटल अवैध महुआ शराब और लहन नष्ट

प्रयाग केसरी संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। होली पर्व से पहले अवैध शराब कारोबार पर शिकंजा कसते हुए पुलिस और आबकारी विभाग ने संयुक्त अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। शुक्रवार को धूरपुर थाना क्षेत्र के बीकर, कंजासा सहित यमुना किनारे स्थित कछारी इलाकों में टीम ने स्टीमर और जल पुलिस की मदद से छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान पुलिस को देख कच्ची शराब बनाने वाले कारोबारी मौके से फरार हो गए। हालांकि टीम ने भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब और लहन बरामद कर नष्ट कर दिया।

पुलिस के अनुसार, धूरपुर क्षेत्र के कई घाटों के पास लंबे समय से कच्ची शराब बनाने का धंधा संचालित हो रहा था। सूचना मिलते ही एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान के नेतृत्व में पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने स्टीमर से कछारी इलाकों में दबिश दी। इसके बाद सहायक पुलिस आयुक्त कौंधियारा के निर्देशन में यमुनापार के कई गांवों में भी अभियान चलाया गया।

कार्रवाई के दौरान लगभग 70 क्विंटल अवैध महुआ शराब और लहन को नष्ट किया गया। टीम ने जल पुलिस और स्टीमर की सहायता से धूरपुर थाना क्षेत्र के बसवार, पालपुर, बीकर, देवरिया, मोहिनी का पुरवा और कंजासा गांवों में छापेमारी की। पुलिस का कहना है कि होली के मद्देनजर कच्ची शराब बनाने वालों ने बड़े पैमाने पर अपना नेटवर्क सक्रिय कर रखा था। इसी को ध्यान में रखते हुए यह विशेष अभियान चलाया गया।

एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान ने बताया कि अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है और संबंधित आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि होली तक यह अभियान लगातार जारी रहेगा और अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अमीन के सामने दो पक्ष भिड़े, चार घायल

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रयागराज। थरवई थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में विवादित स्थल का निरीक्षण करने आए अमीन के सामने दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा। शेष नारायण त्रिपाठी और चंद्र शेखर के बीच जमीन विवाद का सिविल कोर्ट मे मुकदमा चल रहा है। शुक्रवार को आदेश पर कोर्ट अमीन विवादित स्थल का निरिक्षण करने आए थे। विवादित स्थल के निरिक्षण के दौरान दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। सुरेन्द्र, शेष नारायण और दूसरे पक्ष के चंद्र शेखर और शशांक तिवारी घायल हो गए। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। शेष नारायण त्रिपाठी की तहरीर पर पुलिस घटना की जांच कर रही है।

कैनन प्ले वे स्कूल का वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया

बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जमकर मचाया धमाल

प्रयाग केसरी संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। कैनन प्ले स्कूल का वार्षिक उत्सव शुक्रवार को बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे- मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से खूब धमाल मचाया।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती ममिता स्वेन, करनल स्वेन ने बच्चों की दादी और नानी के साथ मिल दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात बच्चों के द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत किया गया। इसके बाद बच्चों ने कई कार्यक्रम जैसे सरस्वती वंदना, जुंबा डांस, महाभारत पर आधारित शक्ति नारी की पहचान वाली प्रस्तुति देकर सभी का मनमोह लिया। नन्हे मुन्ने बच्चों के मनमोहक नृत्य से ऐसा प्रतीत हुआ कि जैसे आसमान से नन्ही परियां उतरकर आई हो। महाकुंभ की पवित्रता को दर्शाता हुआ प्रयागराज गीत पर डांस, देशभक्ति नृत्य तथा नन्हे बच्चों ने कव्वाली की धुन से पापा का बिजनेस बढ़ाया, सुनहरे पुराने गीतों तथा अंग्रेजी गीतों की धुन पर थिरखते नन्हे कदमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। इसी बीच शादी की रौनक के रंग में रंगी बारात से भरी ट्रक जब मंच पर आई तो 'मैं निकला गड्डी लेकर' की धुन पर बच्चों की चंचल अदाओं ने दर्शकों को मंत्र मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मिस कैनन तथा मास्टर कैनन को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया।

सम्पादकीय

विमान सुरक्षा की कसौटीः बढ़ते हादसे और गिरता भरोसा

झारखंड में चतरा जिले के कर्माटाड जंगल में सोमवार शाम एक चार्टर्ड एअर एंबुलेंस के हादसे का शिकार होने और उसमें सभी सात लोगों की मौत ने एक बार फिर इस सवाल को गहरा किया है कि क्या दिनोंदिन विमान सेवाएं असुरक्षित होती जा रही हैं। गौरतलब है कि एक मरीज और उनके परिजनों को दिल्ली ले जा रही एअर एंबुलेंस मौसम खराब होने की वजह से मार्ग बदलने की कोशिश कर रही थी। मगर थोड़ी देर बाद यह विमान रडार से गायब हो गया और कुछ समय बाद उसका मलबा घने जंगल में मिला।

यह हादसा पिछले कुछ समय से लगातार सामने आ रही वैसी घटनाओं की एक कड़ी है, जिनसे विमान यात्रा के पूरी तरह सुरक्षित होने की धारणा कमजोर होती है। झारखंड में हुए हादसे के अगले ही दिन मंगलवार को दिल्ली से लेह जा रही स्पाइसजेट की एक उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण वापस उतारना पड़ा।

इसके अलावा, सरकारी कंपनी पवन हंस के एक हेलिकाप्टर को अंडमान क्षेत्र में उड़ान के दौरान तकनीकी कारणों से समुद्र में आपात अवस्था में उतारना पड़ा। गनीमत रही कि इसमें सवार सभी सात लोगों को बचा लिया गया। दो दिन के भीतर होने वाली ये घटनाएं बताती हैं कि हाल के वर्षों में यात्रा के एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही विमान सेवा अब कई स्तर पर जोखिम से गुजर रही है। जबकि विमान यात्रा को कहीं आने-जाने का सबसे सुरक्षित जरिया माना जाता रहा है।

आखिर क्या वजह है कि पिछले कुछ समय से लगातार विमानों के हादसे का शिकार होने से लेकर उड़ान के बाद तकनीकी खराबी के कारण वापस उतारने की घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है? विमान सेवाओं के मामले में एक आम स्थिति यह है कि समय-समय पर तकनीकी स्तर पर हर पहलू से उच्च स्तरीय जांच होती है और हर कसौटी पर खरा उतरने के बाद ही उसे उड़ान के लिए तैयार माना जाता है।

हर उड़ान के पहले सुरक्षा जांच की एक सघन प्रक्रिया पूरी की जाती है, ताकि बीच रास्ते में कोई अड़चन न आए। मगर हाल के समय में कई विमानों की उड़ान के बाद रास्ते में तकनीकी खराबी का पता चलने पर वापस उतारने की घटनाएं यह बताती हैं कि या तो तकनीकी स्तर पर उसमें कोई खराबी थी या फिर सुरक्षा जांच में किसी स्तर पर कमी की गई।

इसी महीने के शुरू में सरकार ने लोकसभा में बताया था कि भारतीय विमान सेवा के जिन विमानों की तकनीकी जांच हुई, उनमें से लगभग आधे में बार-बार खराबी पाई गई।

इस क्रम में पिछले वर्ष जनवरी से छह बड़ी एअरलाइंस के 754 विमानों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 377 में बार-बार खामी आने की बात सामने आई। सवाल है कि इन विमानों में जो गड़बड़ियां पाई गईं, वे कितनी संवेदनशील थीं और उनसे पैदा होने वाले जोखिम का स्तर क्या था। अगर किसी तकनीकी खामी को नजरअंदाज करके या उसे सुरक्षा से संबंधित नहीं मान कर उड़ान की इजाजत दी जाती है, तो अक्सर ऐसी घटनाएं क्यों सामने आ रही हैं कि किसी तकनीकी खराबी की वजह से विमान को बीच सफर से आपात स्थिति में वापस उतारा गया?

विमान यात्रा को सबसे सुरक्षित जरूर माना जाता है, लेकिन इसकी सुरक्षा से जुड़े हर पहलू बेहद संवेदनशील भी होते हैं। इसमें किसी भी स्तर पर अनदेखी, कोताही या खराबी की आशंका के बावजूद उड़ान की इजाजत देने के गंभीर और त्रासद नतीजे सामने आ सकते हैं।

पेट भरा फिर भी कुपोषण, अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत के सामने गहराता 'मौन संकट'

भूख के विरुद्ध हमारी लंबी लड़ाई ने खेतों को लहलहाया, भंडारों को भरा और अन्न की कमी को काफी हद तक दूर किया। मगर, इस उपलब्धि के बीच एक मौन संकट पनपता रहा और वह है पोषण की कमी। पेट तो भर गया, पर शरीर को वह संपूर्ण ऊर्जा नहीं मिल सकी, जो स्वस्थ जीवन का मूल आधार है। कई दशकों तक दुनिया भर में भूख से लड़ने का मुख्य उपाय यही माना गया कि अधिक से अधिक खाद्यान्न पैदा किया जाए। हरित क्रांति और उसके बाद कृषि के आधुनिकीकरण ने भारत जैसे देशों को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता की राह दिखाई। मगर आज चुनौती केवल पेट भरने की नहीं है, बल्कि शरीर को सही पोषण देने की भी है। यह दोहरी समस्या हमें कृषि नीतियों, फसल विकास की दिशा और खाद्य व्यवस्था पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की ओर इशारा करती है।

फसलों की नई-नई किस्में इस उद्देश्य से विकसित की गई थीं कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन अधिकतम हो सके। इन किस्मों ने खेती की तस्वीर बदल दी और लाखों लोगों को भुखमरी से बचाया। मगर जब पूरी प्राथमिकता उपज बढ़ाने पर केंद्रित हो गई, तब फसलों के पोषण मूल्य पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। कई अध्ययनों से संकेत मिला है कि गेहूं और चावल जैसे खाद्यान्न की आधुनिक किस्मों में लौह तत्त्व, जिंक और कुछ विटामिन की मात्रा पारंपरिक देसी किस्मों की तुलना में कम हो सकती है। भले ही यह अंतर बहुत बड़ा न हो, लेकिन जिस समाज का भोजन मुख्य रूप से अनाज पर आधारित है, वहां इसका प्रभाव व्यापक हो सकता है। जब आहार में विविधता कम हो और अधिकांश भोजन केवल एक-दो फसलों पर निर्भर हो, तब पोषक तत्त्वों में हल्की-सी कमी भी बड़े पैमाने पर कुपोषण का कारण बन जाती है। भारत में पोषण की मौजूदा

स्थिति इस सच्चाई को स्पष्ट करती है।

दुनिया के चावल और गेहूं के बड़े उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद भारत में रक्त की कमी, ठिगनापन और कम वजन की समस्या बनी हुई है। विशेषकर प्रजनन आयु की महिलाएं और छोटे बच्चे इससे अधिक प्रभावित हैं। विभिन्न राष्ट्रीय सर्वेक्षणों और वैश्विक रपटों से यह बात सामने आती रही है कि खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा एक ही बात नहीं है। केवल अनाज की उपलब्धता बढ़ जाने से पोषण की समस्या हल नहीं होती। महिलाओं और बच्चों में रक्त की कमी का बने रहना इस बात का प्रमाण है कि उन्हें जरूरी लौह तत्त्व और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्त्व पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रपट के अनुसार, भारत में वर्ष 2024 में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में से 18.7 फीसद कुपोषण से पीड़ित थे। इसी तरह राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) के मुताबिक, देश में पांच वर्ष से कम उम्र के 35.5 फीसद बच्चे बौने हैं। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि कितना खाद्यान्न पैदा हो रहा है; यह भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है कि उस खाद्यान्न में पोषक तत्त्वों की स्थिति क्या है।

इन चुनौतियों को समझते हुए कृषि अनुसंधान संस्थानों ने अब पोषक तत्त्वों से भरपूर किस्में विकसित करने की दिशा में काम शुरू किया है। जैव-संवर्धन इसी प्रयास की एक अहम कड़ी है। इसमें फसलों की ऐसी किस्में विकसित की जाती हैं, जिनमें प्राकृतिक रूप से पोषक तत्त्वों की मात्रा अधिक हो। यह समाधान टिकाऊ है, क्योंकि इसमें फसल की कटाई के बाद अलग से पोषक तत्त्व मिलाने की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि पोषण सीधे खेत से ही भोजन में पहुंचता है।

फिर भी केवल तकनीकी उपाय पर्याप्त नहीं हैं। कृषि नीति में व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा, जिसमें आहार की विविधता को महत्त्व दिया जाए। पारंपरिक खेती में दालें, मोटे अनाज, तिलहन, फल और सब्जियां सब शामिल होते थे, जिससे संतुलित पोषण मिलता था। मगर समय के साथ एक ही प्रकार की फसलों पर निर्भरता बढ़ी और खेतों की विविधता कम हो गई। जबकि मोटे अनाज जैसे बाजरा, ज्वार और रागी पोषक तत्त्वों से भरपूर होते हैं और सूखे की स्थिति में इनकी पैदावार अच्छी होती है। इन्हें 'पोषक अनाज' के रूप में फिर से बढ़ावा देना कुपोषण से लड़ने का सशक्त माध्यम हो सकता है।

मिट्टी का स्वास्थ्य भी इस पूरी प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की कमी होगी, तो फसलों में भी उनकी मात्रा कम हो सकती है। रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग और जैविक पदार्थों की कमी से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए संतुलित उर्वरक प्रयोग, फसल चक्र, जैविक खाद और मिट्टी परीक्षण जैसी पद्धतियों को बढ़ावा देना आवश्यक है। स्वस्थ मिट्टी में उगाई गई फसलें न केवल अधिक उत्पादन देती हैं, बल्कि बेहतर पोषण भी प्रदान करती हैं। इस प्रकार मिट्टी की सेहत, फसल की गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

ऐसे में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्य सहायता कार्यक्रमों में भी बदलाव की आवश्यकता है। अब तक इनका मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्याप्त अनाज उपलब्ध कराना रहा है। यदि इन्हीं प्रणालियों के माध्यम से पोषक तत्त्वों से भरपूर अनाज, दालें और अन्य खाद्य पदार्थ वितरित किए जाएं, तो पोषण सुधार में खासी मदद मिल सकती है। विद्यालयों के मध्याह्न भोजन और गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण योजनाओं में स्थानीय तथा विविध खाद्य पदार्थों को शामिल करने से उनकी सेहत में सुधार हो सकता है।

खाद्यान्न के प्रति उपभोक्ताओं की जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है। शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के कारण लोग अधिक प्रसंस्कृत और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। ये खाद्य पदार्थ ऊर्जा तो देते हैं, परंतु उनमें पोषक तत्त्वों की कमी होती है। संतुलित आहार, साबुत अनाज, दालें, फल और सब्जियों के महत्त्व को समझाने के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। यदि परिवारों, विशेषकर माताओं को सही जानकारी मिले, तो बच्चों के पोषण स्तर में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

देखा जाए तो आर्थिक पहलू भी इस समस्या से जुड़े हुए हैं। किसान वही फसल उगाते हैं, जिसकी बाजार में मांग और उचित मूल्य मिलता है। यदि पोषक तत्त्वों से भरपूर फसलों को पर्याप्त समर्थन मूल्य और बाजार उपलब्ध नहीं होगा, तो जाहिर है कि किसान उनमें ज्यादा रुचि नहीं लेंगे और उनका उत्पादन सीमित ही रहेगा। इसलिए सरकार को व्यापक स्तर पर ऐसी नीतियां और योजनाएं बनानी चाहिए, जो किसानों को विविध एवं पोषक फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करें।

इन सब के बीच जलवायु परिवर्तन भी एक नई चुनौती बनकर सामने आया है। तापमान में वृद्धि और अनियमित वर्षा फसल उत्पादन एवं उनके पोषण मूल्य को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ शोध बताते हैं कि वातावरण में कार्बन डाइआक्साइड की बढ़ती मात्रा से फसलों में प्रोटीन और पोषक तत्त्वों की मात्रा घट सकती है। ऐसे में जलवायु के अनुकूल और पोषण से भरपूर फसलों की नई किस्मों का विकास जरूरी है। इक्कीसवीं सदी में भूख से लड़ाई केवल मात्रा पर नहीं, बल्कि गुणवत्ता पर भी केंद्रित होनी चाहिए। हर नागरिक को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना मानव विकास की बुनियादी जरूरत है। यदि हम पोषण-संवेदनशील कृषि में निवेश करते हैं, तो इससे शिक्षा, रोजगार और आर्थिक प्रगति पर दूरगामी एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसलिए अब जरूरी है कि हम कृषि विकास के अगले चरण में पोषक तत्त्वों से भरपूर खाद्यान्न को केंद्र में रखकर आगे बढ़ें।

सुंदरता का दार्शनिक विश्लेषण और पैमाना, हर खूबसूरती की तय उम्र होती है

इस सृष्टि में प्राणधारी से लेकर प्राणहीन तक और प्रकृति प्रदत्त से लेकर मानव निर्मित तक जितनी भी संरचनाएं या उपादान विद्यमान हैं, सभी सुंदर और असुंदर, दो श्रेणियों में वर्गीकृत हैं। कोई भी चीज या तो सुंदर है या फिर असुंदर। इन दोनों के बीच या इनके अतिरिक्त कोई तीसरी श्रेणी निर्धारित नहीं है। यों सुंदरता को परिभाषित कर पाना अपने आप में बहुत पेचीदा मामला है। दरअसल, सुंदरता को नापने का कोई सार्वभौम, सार्वकालिक और सार्वजनिक पैमाना नहीं है।

कहा गया है कि सुंदरता दृश्य में नहीं, बल्कि देखने वाले की दृष्टि में होती है। एक ही वस्तु, एक ही कृति या एक ही रूप किसी एक के लिए सुंदर हो सकती है और किसी दूसरे के लिए असुंदर। किसी को वह आकर्षित कर सकती है, तो किसी को विकर्षित। इसके अतिरिक्त, सुंदरता काफी हद तक देशकाल, अवसर और परिस्थिति पर भी निर्भर करती है। यह देखने वाले की सोच और नजरिए पर भी निर्भर करती है। इन सबके बावजूद यह कहा जा सकता है कि सुंदर और असुंदर की आम स्वीकृति के मामले में विरोधाभास की गुंजाइश बहुत कम है।

यह भी है कि सुंदर और असुंदर के मध्य भेद करने की प्रवृत्ति सिर्फ मनुष्य के पास ही है। अन्य प्रजातियों के लिए सब कुछ एक-सा, यानी सब धान बाईस पसेरी है। हालांकि पशुओं और पक्षियों के अंदर भय, क्रोध, हिंसा, ममता, भूख, प्यास, नींद, स्व रक्षा आदि भावनाएं होती हैं, लेकिन सुंदर और असुंदर की समझ उनमें नहीं होती है। सच यह कि उन्हें सुंदर-असुंदर से कोई लेना-देना भी नहीं होता है। उन्हें तो बस अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति भर से मतलब होता है। समस्त प्राणधारियों में होमो सेपियंस, यानी मानव ही एकमात्र ऐसी प्रजाति है, जिसके नर और मादा, दोनों ही अपने जीवन के हर क्षेत्र में सुंदरता के आग्रही होते हैं। ऐसा शायद इसलिए है कि उनके अंदर एक विकसित मस्तिष्क होता है और उस मस्तिष्क में सोचने-समझने और विश्लेषण करने की क्षमता होती है।

मानव स्वभावतः सुंदरता का पक्षधर है। लगभग सभी लोग सुंदरता के आग्रही होते हैं। कोई भी ऐसा नहीं, जो असुंदरता को स्वेच्छा से स्वीकार करे, लेकिन सच्चाई यह है कि सुंदरता की पहचान, पूछ और प्रशंसा असुंदरता की वजह से ही है। किसी भी गुण, भाव, बोध या दृश्य का मूल्यांकन सदैव सापेक्षता के आधार पर होता है। अच्छाई का अस्तित्व तभी तक है, जब तक उसके समांतर बुराई भी है। मिठाई का आकर्षण तभी तक है, जब तक उसके बरक्स तीखापन विद्यमान है। उजाले का महत्त्व अंधियारे के कारण है। ठीक इसी प्रकार असुंदरता ही वह अस्तित्व है, जो हमें सुंदरता का बोध कराता है, उसका महत्त्व स्थापित करता है और हमारी चेतना में सुंदरता के प्रति आकर्षण पैदा करता है।

हम सभी अपने जीवन में सब कुछ सुंदर ही चाहते हैं। जीवनपर्यंत सुंदरता पाने की ललक में भागते रहते हैं। उसे सहेजने की कोशिश में हलकान रहते हैं, लेकिन क्या हम वैसा करने में सफल हो पाते हैं? इसका उत्तर है- नहीं। लाख कोशिशों के बावजूद आखिर हमें असफलता ही हाथ लगती है। सुंदरता साथ छोड़ सकती है, लेकिन असुंदरता नहीं।

सुंदरता के आकर्षण में पागल बने हम यह ध्रुव सत्य भूल जाते हैं कि असुंदरता की व्याप्ति सुंदरता के मुकाबले बहुत अधिक है। सुंदरता की अंतिम परिणति असुंदरता में ही होती है। सुंदरता अल्पकालिक होती है, जबकि असुंदरता दीर्घजीवी। सुंदरता गतिशील होती है, लेकिन असुंदरता स्थावर। इसके अतिरिक्त सुंदरता की सीमा होती है, यानी कोई चीज

कम सुंदर होगी, कोई चीज अधिक सुंदर होगी और कोई उससे भी अधिक सुंदर, लेकिन जो असुंदर है, वह सदैव एक-सा बना रहता है।

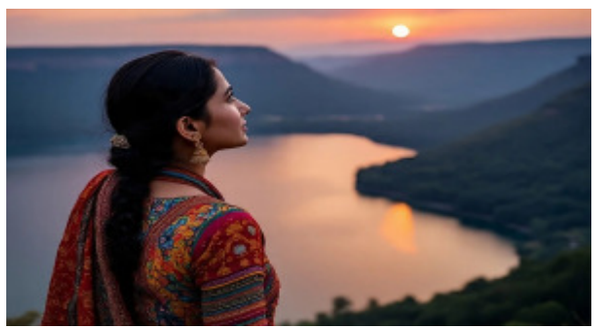

प्रकृति का नियम है कि हर सुंदर को एक निश्चित अवधि के बाद असुंदर हो जाना होता है। प्रातःकाल डाल पर खिला, झूमता, हर मन को रिझाता सुंदर फूल शाम होते-होते कुम्हलाने लगता है। यौवन काल में अपने रूप के लावण्य का स्वामी रहा कोई व्यक्ति- स्त्री या पुरुष प्रौढ़ होने की तरफ बढ़ने के साथ ही अपना सामान्य सौंदर्य खोने लगता है। वृद्धावस्था आने तक सारा सलोनापन उड़न-छू हो जाता है और असुंदरता उसमें घर बना कर ठहर जाती है।

इसी प्रकार, राह चलते लोगों की धड़कन बढ़ाने वाले सुंदर, सुकांत छबीले युवक आयु के तीसरे दशक तक आते-आते अपने सौष्ठव का आकर्षण खो बैठते हैं। कृत्रिम तरीकों का सहारा लेकर कोई लाख यत्न करे, लेकिन सुंदरता टिकती नहीं है। आखिरकार वही असुंदरता आखिर अपना कब्जा जमा लेती है, जिसे हमने अपने आग्रहों के कारण असुंदर घोषित किया था।

इतिहास साक्षी है कि सुंदरता आदिकाल से ही मानव समाज में अशांति और उपद्रव का कारण बनती रही है। पौराणिक काल से लेकर वर्तमान तक, जितने भी युद्ध, संधि और खून-खराबे हुए हैं, सब सुंदरता पर अधिकार के लिए भी हुए हैं। इसके पीछे न जाने कितनी जानें चली गईं और न जाने कितनी सत्ताएं मिट गईं। इतिहास में वर्णित कहानियां इसकी पुष्टि करती हैं। बावजूद इसके मनुष्य है कि इतिहास से सबक लेने को तैयार नहीं है। वह सुंदरता का मोह त्याग नहीं पाता है।

दरअसल, दिन और रात, धूप और छांव तथा सुख और दुख की ही तरह सुंदर और असुंदर भी एक ही सिक्के के दो पहलू की तरह हैं। इनकी गति को रोक सकना और इनके प्रभाव से बच सकना नितांत असंभव है। कुदरत का अपना नियम है और अपने नियम में वह रंचमात्र भी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करती है। आज जो सुंदर है, कल उसे असुंदर होना ही है। इसलिए श्रेयस्कर यही है कि हम सुंदर और असुंदर को समभाव से लें।

एरिया 51 को लेकर ओबामा ने ऐसा क्या बोला? ट्रंप ने दिया एलियंस की फाइल्स खोलनने का आदेश

उत्तरी गोलार्ध में दिन होता है तब दक्षिणी गोलार्ध में रात होती है। उधर लोग स्कूल-दफ्तर जाते हैं तो इधर लोग सोने के लिए आंखें बंद करते हैं। दिन और रात के इस फर्क में कुछ घड़ी सब विश्राम करते हैं। 1980 का दशक अमेरिका में एलियन और यूएफओ वाली कॉनंस्परेसी थ्योरी की धूम मची हुई थी। कुछ कमर्शियल पायलट्स ने नवाडा इलाके में उनके ऊपर उड़ रही किसी चमकीनी तस्करी की फोटो खींच ली थी। दावा किया जा रहा था कि हो ना हो यह यूएफओस हैं। यानी कि एलियन के स्पेसक्राफ्ट। सभी का ध्यान नवाडा के रेगिस्तान के बीचों-बीच मौजूद अमेरिका के एक सीक्रेट बेस की ओर जा रहा था। हर किसी को पता था कि रेगिस्तान के अंदर एक ऐसी जगह है जहां आम लोगों का जाना मना है। हथियार बन गाड्र्स इसकी सुरक्षा करते हैं। लेकिन इस जगह का नाम बताना तो दूर अमेरिकी सरकार यह तक नहीं मानती थी कि ऐसी भी कोई जगह एकिस्ट करती है। मई 1989 में एक अमेरिकी न्यूज़ चैनल के एस टीवी ने यूएफओ द बेस्ट एविडेंस के नाम से शो शुरू कर दिया। जिसमें रॉबर्ट लेज़र नाम का एक बंदा यह दावा करता है कि वो इस सीक्रेट बेस पर काम कर चुका है। उसने यहां एलियंस की बॉडीज और एलियंस के नौ स्पेसक्राफ्ट देखे हैं। रॉबर्ट यह तक दावा करता है कि सीक्रेट बेस पर अमेरिका रिवर्स इंजीनियरिंग कर रहा है। यानी एलियन की टेक्नोलॉजी से नए हथियार और नए स्पेसक्राफ्ट बनाए जा रहे हैं और सबूत के तौर पर तरह-तरह की फोटो सबमिट करता है जो संदेह पैदा करने के लिए काफी होते हैं। खूब हंगामा होता है। अमेरिकी सरकार से सवाल पूछे जाते हैं। लेकिन अमेरिका सारे दावे खारिज कर देता है। अमेरिकी सरकार यह तक नहीं मानती कि नवाड़ा में ऐसी कोई जगह मौजूद भी है। लोगों का आज भी मानना है कि अमेरिका ने यहां एलियंस छिपा रखे हैं। अब एक बार फिर यह जगह चर्चा में है। कारण अमेरिकी राष्ट्रपति रहे बराक ओबामा का बयान। एक पॉडकास्ट में ओबामा ने एलियंस की मौजूदगी का दावा कर दिया है। ओबामा ने कहा है एलियंस होते हैं लेकिन एरिया 51 में नहीं रखे गए हैं। ओबामा के बयान के बाद एक बार फिर एरिया 51 विवादों में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब अमेरिकी रक्षा विभाग को यह आदेश दिया है कि एरिया 51, एलियन और यूएफओ से जुड़े जितने भी सीक्रेट फाइल्स अमेरिका में मौजूद हैं, उसकी पहचान की जाए। उन्हें पब्लिक किया जाए। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिरकार एरिया 51 है क्या? अमेरिका यहां क्या करता है? क्यों इस इलाके को इतना सीक्रेट बनाकर रखा गया है? क्या सचमुच अमेरिका ने यहां एलियंस और यूएफओ छिपा कर रखे हुए हैं? और अब ओबामा के दावे के बाद डोनाल्ड ट्रंप कौन से सीक्रेट फाइल्स पब्लिक करने वाले हैं? अमेरिका का 7वां सबसे बड़ा स्टेट नवाडा जिसकी पहचान लांस वेगास जैसे शहर है। शानो शौकत की जिंदगी, जहां जुआ भी लीगल है। इस चमक धमक से परे नवाजा स्टेट कुख्यात एरिया 51 के लिए है। जहां अमेरिका एटम बम का टेस्ट करता है। एरिया 51 लास वेगास से महज 134 किलोमीटर दूर है। एरिया 51 कंटीले पेड़ो का बियाबान है। दूर दूर तक फैला रेगिस्तान और अमेरिका का मिलिट्री बेस। नेवाडा का पता स्पेन ने लगाया था। सबसे पहले न्यू स्पेन नाम से कॉलोनी बनाई गई। 1821 में आजादी के बाद नेवाडा मेक्सिको का हिस्सा बना। अमेरिका और मेक्सिको के युद्ध के बाद से यहां पर यूएस का कब्जा है। अमेरिका यहां सुपर पावर डेडली वेपन तैयार करता है। एरिया 51 से मिले सुपरफाइटर का डंका दुनिया में बजता है।

कॉन्सपिरेसी थ्योरी ये भी है कि इस फैसलिटी में क्रैश हुआ एलियन स्पेस क्राफ्ट है। इंजीनियर रिवर्स इंजीनियरिंग के जरिए इसे बनाने में लगे हैं। इस 1950 की रोसवेल दुर्घटना से जोड़ा जाता है। पत्रकार एनी जैकबसन ने अपनी किताब एरिया 51 एन अनसेंसर्ड हिस्ट्री ऑफ अमेरिकाज टॉप सीक्रेट मिलिट्री बेस में इससे जुड़े चीजों के बारे में बताया। जैकबसेन ने अपनी किताब में लिखा कि इस इलाके की गोपनीयता एलियन की वजह से नहीं बल्कि गुप्त परमाणु परीक्षण और हथियारों के विकास में इसकी भागीदारी से थी। किताब में उन्होंने लिखा कि सूत्र ने दावा किया कि न्यू मैक्सिको में एक फ्लाइंड डिस्क क्रैश हुआ था। इस फ्लाइंग डिस्क को राइट पैटरसन वायु सेना बेस ले जाया गया। बाद में उस मलबे को 1951 में यहां लाया गया, जिसकी वजह से इस जगह का नाम एरिया 51 पड़ा।

यूएफओ को अक्सर लोग एलियंस के साथ जोड़ते हैं। लेकिन कोई भी ऐसी उड़ने वाली चीज जिसके ठीक ठीक पहचान न हो सके, उसके लिए भी ये टर्म इस्तेमाल होता है। जब और भी यूएफओ देखे जाने लगे और उसके दावे आएं तो एयरफोर्स ने उसकी जांच शुरू की और उसे प्रोजेक्ट ब्लू बुक का नाम दिया। बाद के सालों में भी यूएफओ देखे जाने की बात सामने आती रहीं। 1969 में अमेरिकी एयरफोर्स ने प्रोजेक्ट ब्लू बुक बंद कर दिया। इस समय तक वो यूएफओ देखे जाने के 12 हजार से ज्यादा दावों की जांच कर चुका था। प्रोजेक्ट ब्लू बुक तो खत्म हुआ लेकिन दक्षिणी नेवाडा में एरिया 51 के आसपास यूएफओ देखे जाने के दावे किए जाते रहे। क्योंकि इस प्रतिबंधित इलाके के आस पास आम लोग नहीं जा सकते। ये 24 घंटे और 365 दिन भारी सुरक्षा में रहती थी। तो इस जगह के बारे में कहानियां चल पड़ी। कहा तो ये भी जाता है यहां रिवर्स इंजिनियरिंग करके एलियंस की टेक्नोलॉजी समझने की कोशिश की जाती है। 80 के दशक में राबर्ट बॉब नाम के एक आदमी ने सामने आते हुए कहा कि वो एरिया 51 में काम करता था। राबर्ट का दावा था कि उनका काम परगृहियों से जुड़ी रिसर्च से जुड़ा था। उसने मीडिया को कुछ तस्वीरें भी दिखाई। उसके मुताबिक ये एरिया 51 में रखे गए एलियन के ऑटोप्सी की फोटो है। बाद में एरिया 51 में उसके काम करने का दावा झूठा निकला। इसके अलावा टाइम ट्रैवल को लेकर भी कई कहानियां हैं। कहा जाता है कि अमेरिका यहां पर समय में आगे और पीछे जाने की रिसर्च कर रहा है। कुछ कहते हैं कि नील आर्म स्ट्रांग चांद पर कभी उतरे ही नहीं। यहीं एरिया 51 में फोटो खींच कर कहा कि उसका अपोलो 11 मिशन चांद पर उतर गया।

अगस्त 2013 में सूचना के अधिकार के तहत एक जानकारी मांगी गई। इसके जवाब में सीआईए को कुछ डॉक्यूमेंट डिक्वासीफाइड करने पड़े। इसी क्रम में फिर उस जगह के बारे में भी बताया गया। जो ला क्यू एयक्राफ्ट के निर्माण और टेस्टिंग से जुड़ी हुई थी। ये एरिया 51 जगह थी। जिसका पहली दफा तब ही सार्वजनिक जिक्र हुआ। अमेरिकी खुफिया विभाग सीआईए के अनुसार एरिया 51 में 1955 से सीक्रेट एयरक्रॉफ्ट की टेस्टिंग होती थी। जब से अमेरिकी सेना ने सीआईए के यू 2 जासूसी प्लेन की टेस्टिंग शुरू की थी तब से ही। दरअसल, कोल्ड वॉर के वक्त सोवियत और अमेरिका दोनों एक दूसरे की खूब जासूसी करते थे। ताकी दोनों को एक दूसरे के अगले कदम की जानकारी हो जाए। अमेरिकी एयरफोर्स और नेवी के दोनों टोही विमानों में बड़ा नुकसान हो रहा था। अमेरिका ने फिर यू टू विमान को लेकर आए।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा 14 फरवरी 2026 को रिलीज हुए 'नो लाइ विद ब्रायन टायलर कोहेन' पॉडकास्ट में पहुंचे थे। इस दौरान जब एक रैपिड-फायर सेगमेंट में उनसे पूछा गया कि क्या एलियंस असली हैं तो उन्होंने कहा था कि 'वे असली हैं लेकिन मैंने उन्हें नहीं देखा है और उन्हें एरिया 51 में नहीं रखा गया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलियंस से संबंधित गोपनीय दस्तावेजों को सार्वजनिक करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने 19 फरवरी को कहा है कि वह पेंटागन और दूसरी एजेंसियों को ळइध, ळैंइ और एलियन जीवन पर सरकारी फाइलों को डीक्लासिफाई करने और जारी करने का निर्देश दे रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि 'दिखाई गई ज़बरदस्त दिलचस्पी के आधार पर मैं सेक्रेटरी ऑफ वॉर और दूसरे संबंधित डिपार्टमेंट और एजेंसियों को एलियन और एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल जीवन से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने का निर्देश दूंगा। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा कि अनआइडेंटिफाइड एरियल फेनोमेना (यूएपी) और अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट (यूएफओ) और इन बहुत मुश्किल लेकिन बहुत दिलचस्प और ज़रूरी मामलों से जुड़ी कोई भी और सभी दूसरी जानकारी से जुड़ी सरकारी फाइलों की पहचान करने और उन्हें रिलीज करने का प्रोसेस शुरू करने का निर्देश दूंगा। गॉड ब्लेस अमेरिका!

होली से पूर्व खाद्य सुरक्षा टीम की बड़ी कार्रवाई

मंझनपुर तेल चक्की से 73 लीटर संदिग्ध सरसों तेल सीज

प्रयाग केसरी संवाददाता

कौशाम्बी। होली पर्व के मद्देनजर मिलावटखोरों पर शिकंजा कसते हुए जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल के निर्देश पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवप्रताप तिवारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा दल ने मंझनपुर बाजार में विशेष छापामार अभियान चलाया। अभियान के दौरान जलीश अहमद की तेल चक्की पर कार्रवाई करते हुए सरसों के तेल का नमूना लिया गया और 73 लीटर तेल जब्त कर लिया गया।

ज्ञात हो कि विभाग द्वारा अब तक कुल 27 नमूने लिए जा चुके हैं, जिन्हें जाँच हेतु प्रयोगशाला भेजा जाएगा। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी नितिन कुमार, डॉ. भरत कुमार मिश्रा एवं अरविंद कुमार सिंह की सक्रिय भूमिका रही।

होली को शांतिपूर्ण बनाने के लिए अपर जिलाधिकारी की उच्चस्तरीय बैठक

ध्वनि विस्तारक यंत्र और अवैध शराब पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

प्रयाग केसरी संवाददाता

कौशाम्बी। होली पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) शालिनी प्रभाकर एवं अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने उदयन सभागार में संबंधित अधिकारियों एवं संभ्रांत नागरिकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। अपर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों से तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली और संभ्रांत नागरिकों के सुझाव सुनते हुए तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। ध्वनि विस्तारक यंत्र संचालकों को निर्धारित ध्वनि सीमा में यंत्र बजाने तथा आपत्तिजनक गाने न बजाने के लिए कड़ाई से निर्देशित करने को कहा गया। जिला आबकारी अधिकारी को अवैध शराब के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाने और मुख्य चिकित्साधिकारी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर चिकित्सकों की ड्यूटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

ज्ञात हो कि अपर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मिश्रित आबादी एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए और होलिका दहन स्थलों का पूर्व निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण की जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि जो भी व्यक्ति जनपद की शांति एवं कानून-व्यवस्था को भंग करने का प्रयास करेगा, उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। अपर पुलिस अधीक्षक ने भी सभी से आपसी सौहार्द के साथ त्यौहार मनाने की अपील की।

विशेष अभियान दल की दबिश, दंपत्ति से लूट के तीन बदमाश गिरफ्तार

अवैध असलहा समेत कई सामान बरामद

कौशाम्बी। जनपद की विशेष अभियान दल एवं पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बाइक सवार दंपत्ति से लूट करने वाले तीन खूंखार लुटेरों को धर दबोचा। आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, बाइक, गहने एवं नगदी बरामद की गई। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें कारागार भेज दिया गया।

ज्ञात हो कि यह घटना चरवा थाना क्षेत्र की है। रमेश सिंह निवासी सैय्यद सरावां, थाना चरवा ने पुलिस को सूचना दी थी कि वे भोर में लगभग चार बजे अपनी पत्नी के साथ बाइक से करारी के गुलामीपुर से दावत खाकर घर लौट रहे थे, तभी सिरियावां चौराहे से पहले दो बाइक पर सवार चार अज्ञात युवकों ने गाली-गलौज करते हुए उन्हें रोक लिया और पत्नी के पहने हुए गहने, मोबाइल तथा एक हजार रुपये नगद छीनकर फरार हो गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

ग्राम चकपिनहा में चकबन्दी ग्राम चौपाल आयोजित

कृषकों ने शीघ्र प्रक्रिया पूर्ण करने की रखी माँग

प्रयाग केसरी संवाददाता

कौशाम्बी। चकबन्दी आयुक्त के निर्देशानुसार एवं जिलाधिकारी के निर्देशन में तहसील चायल के ग्राम चकपिनहा के पंचायत भवन में चकबन्दी अधिकारी सोमेशनाथ पाण्डेय की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें सहायक चकबन्दी अधिकारी, चकबन्दीकर्ता, ग्राम प्रधान, सदस्यगण, चकबन्दी समिति के प्रतिनिधि एवं अधिकांश कृषक उपस्थित रहे। शुक्रवार को आयोजित इस चौपाल में कृषकों को चकबन्दी प्रक्रिया एवं उससे होने वाले लाभों से विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। उपस्थित कृषकों ने संतोष व्यक्त करते हुए इसे पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र पूर्ण किए जाने की माँग रखी।

ज्ञात हो कि ग्राम चकपिनहा में उत्तर प्रदेश चकबन्दी अधिनियम की धारा-4 की विज्ञप्ति का प्रकाशन 27 अगस्त 2016 को हुआ था। धारा-09 का प्रकाशन 30 अप्रैल 2025 को किया गया, जिसमें आकार पत्र-4 में कुल 351 वाद दर्ज हुए। इनमें से 15 आपत्तियों का समझौते के आधार पर निस्तारण हो चुका है, 254 वादों का निस्तारण चकबन्दी अधिकारी न्यायालय द्वारा किया जा चुका है और 82 वाद अभी भी अवशेष हैं। चकबन्दी अधिकारी ने सहायक चकबन्दी अधिकारी को नियमित बैठकें आयोजित कर कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने तथा ग्राम सभा भूमि से अवैध कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिए।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्साधिकारियों संग की अहम बैठक

प्रयाग केसरी संवाददाता

कौशाम्बी। विधान सभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 18 से 20 वर्ष आयु वर्ग के समस्त पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने के उद्देश्य से उप जिला निर्वाचन अधिकारी शालिनी प्रभाकर की अध्यक्षता में जनपद के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्साधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में निर्देश दिया गया कि सहायक नर्स दाई एवं आशा कार्यकर्ता के माध्यम से पंजीकरण से वंचित समस्त पात्र नागरिकों एवं नवविवाहिताओं को चिन्हित कर प्रारूप-6 के माध्यम से उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज कराए जाएं।

ज्ञात हो कि अर्हता तिथियाँ 01 जनवरी 2026, 01 अप्रैल 2026, 01 जुलाई 2026 एवं 01 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई हैं। समस्त संबंधित प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे 06 मार्च 2026 तक प्रत्येक दशा में प्रारूप-6 भरवाकर संबंधित बूथ स्तरीय अधिकारी अथवा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा कराना सुनिश्चित करें।

एसपी की जनसुनवाई में फरियादियों को मिला न्याय का भरोसा, बच्चों को चॉकलेट देकर दिखाई मानवीय संवेदना

प्रयाग केसरी संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार की अध्यक्षता में आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से पहुँचे फरियादियों की शिकायतें गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनी गईं। संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, समयबद्ध तथा गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। इसी जनसुनवाई के दौरान शुक्रवार को एक महिला फरियादी अपने छोटे बच्चों के साथ उपस्थित हुई, जिन पर पुलिस अधीक्षक ने स्नेहपूर्वक चॉकलेट देकर मानवीय सहृदयता का अनुकरणीय परिचय दिया।

ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर विधिसम्मत एवं पारदर्शी ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पीड़ितों को शीघ्रातिशीघ्र न्याय मिल सके और पुलिस-जन संवाद अधिक सुदृढ़ हो। कौशाम्बी पुलिस आमजन की सेवा, सुरक्षा एवं सहयोग के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

पैदल मार्च कर करवाया सुरक्षा का एहसास

प्रयाग केसरी संवाददाता

कौशाम्बी। होली के त्योहार को लेकर कौशाम्बी पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं। शुक्रवार को पुलिस ने रिजर्व पुलिस बल (आरएएफ) के साथ मिलकर जिले के संवेदनशील इलाकों में पैदल मार्च किया। भरवारी, सराय अकिल सहित कई नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया गया। पुलिस टीम ने मुख्य बाजारों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों और मिश्रित आबादी वाले इलाकों में गश्त की। इस दौरान आम लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया और त्योहार के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की गई। पुलिस प्रशासन का कहना है कि होली और रमजान जैसे पर्वों के मद्देनजर कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए लगातार निगरानी और गश्त जारी रहेगी। अधिकारियों ने लोगों से सहयोग करने और किसी भी असामाजिक तत्व को बढ़ावा न देने की अपील की है।

एसआईआर में फॉर्म छह जमा करने को अब चार दिन ही बचे, 10 अप्रैल को आएगी अंतिम सूची

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रयागराज। मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के क्रम में छह मार्च तक ही दावे और आपत्तियां स्वीकार किए जाएंगे। ऐसे में अब मतदाताओं के पास बीएलओ से मिलकर फॉर्म छह जमा करने के लिए चार दिन ही शेष बचे हैं। जो वोटर एक जनवरी को 18 साल के हो चुके हैं अगर इन दिनों में वो फॉर्म जमा करते हैं तो 10 अप्रैल को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में उनका नाम शामिल होगा।

एसआईआर अभियान के तहत दावे और आपत्तियां छह मार्च तक स्वीकार किए जाने हैं। इसके पहले की बात की जाए तो शुक्रवार और शनिवार के बाद रविवार होगा और सोमवार, मंगलवार व बुधवार को होली का अवकाश घोषित कर दिया गया है। गुरुवार को पांच तारीख है। इस दिन कार्यालय खुलेगा जरूर लेकिन प्रयागराज में रंग चलेगा।

ऐसे में आधिकारिक रूप से पांच व छह मार्च को बीएलओ से मिलकर फॉर्म जमा करने का अवसर होगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी पूजा मिश्रा का कहना है कि अगर लोग ऑनलाइन आवेदन करेंगे तो अवकाश वाले दिनों में भी कर सकते हैं, लेकिन छह मार्च तक ही आवेदन होगा। ऐसे में जो लोग 18 साल के हो चुके हैं, वो अब आवेदन कर दें।

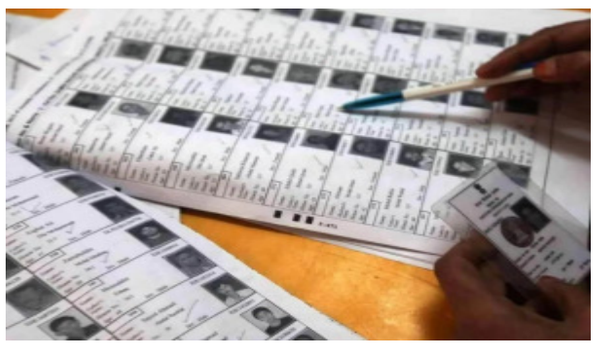

नोटिस जारी करने का काम पूरा होने के बाद अब सुनवाई पर जोर दिया जा रहा है। गुरुवार तक नो मैपिंग और तार्किक विसंगति वाले 64 फीसदी वोटरों की सुनवाई हो गई। यानी छह लाख 79 हजार 282 नो मैपिंग वाले मतदाताओं का नाम अब अंतिम सूची में आना तय है। लक्ष्य है कि निर्धारित तारीख तक सभी की सुनवाई पूरी कर ली जाए।

एडीएम (प्रशासन) /उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब आप अपना नाम वोटर लिस्ट के ड्राफ्ट प्रकाशन में चेक सकते हैं। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में अपना व अपने परिवार के किसी सदस्य का नाम खोजना चाहता है कि उसका नाम आलेख्य मतदाता सूची में है अथवा नहीं तो यह एक अत्यन्त साधारण प्रक्रिया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, के वेब पोर्टल ceouttarpradesh.nic.in पर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर)-2026 में जाकर चेक करें। इसके बाद अपने नाम या अन्य जानकारी में किसी भी तरह की गलती हो तों उसमें बदलाव के लिए फॉर्म जमा करवाएं। दावे और आपत्तियों के लिए वोटर या उनके बीएलओ ऑनलाइन ही फॉर्म जमा करवा सकते हैं। फॉर्म जमा करने की आखिरी तारिख 6 मार्च तय की गई थी।

पहलगाम अटैक के बाद 'पाकिस्तान जिंदाबाद' पोस्ट करने वाले आरोपी को बेल, लेकिन हाईकोर्ट ने एक शर्त रखी

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद इंस्टाग्राम पर कथित रूप से 'पाकिस्तान जिंदाबाद' पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार युवक फैजान को जमानत दे दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने फैजान बनाम स्टेट ऑफ यूपी मामले में पारित किया। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी, जिसके बाद सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट को लेकर पुलिस ने कार्रवाई की थी।

फैजान को मई 2025 में एटा जिले के जलेसर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया, जिनमें धारा 152 भी शामिल थी। यह धारा पूर्व में भारतीय दंड संहिता में राजद्रोह से जुड़े प्रावधान का स्थान लेती है। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि आरोपी का सोशल मीडिया पोस्ट देश की संप्रभुता और प्रतिष्ठा के खिलाफ था और इससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता था।

जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता एनआई जाफरी ने तर्क दिया कि आरोपी द्वारा की गई पोस्ट भले ही आपत्तिजनक प्रतीत हो, लेकिन उसमें भारत के खिलाफ कोई अपमानजनक, अवमाननापूर्ण या विद्रोह भड़काने वाला कथन नहीं था। उन्होंने कहा कि केवल किसी दुश्मन देश के समर्थन का उल्लेख करना स्वतः धारा 152 के तहत अपराध नहीं बनता। बचाव पक्ष ने यह भी दलील दी कि अधिकतम यह मामला धारा 196 बीएनएस के तहत आ सकता है, जिसकी सुनवाई मजिस्ट्रेट द्वारा की जा सकती है और जिसमें तीन से पांच वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।

राज्य सरकार की ओर से जमानत का विरोध किया गया। हालांकि अदालत ने अपराध की प्रकृति, उपलब्ध साक्ष्यों, आरोपी की कथित संलिप्तता, जेलों में भीड़भाड़ और निचली अदालतों में लंबित मामलों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आरोपी को जमानत देने का निर्णय लिया। अदालत ने कड़ी शर्तें लगाते हुए कहा कि आरोपी सोशल मीडिया पर कोई भी ऐसा पोस्ट अपलोड नहीं करेगा जो देश की प्रतिष्ठा या किसी समुदाय के खिलाफ हो।

साथ ही वह मामले के गवाहों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करने का प्रयास नहीं करेगा और मुकदमे की कार्यवाही में पूरा सहयोग करेगा। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि जमानत की किसी भी शर्त का उल्लंघन किया गया तो उसकी जमानत को निरस्त भी जा सकता है।

यूपी बोर्ड : अब तक पकड़े गए 22 छद्म परीक्षार्थी, सख्त कार्रवाई के निर्देश

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रयागराज। यूपी बोर्ड परीक्षा के दौरान छद्म परीक्षार्थियों (प्रॉक्सी कैंडिडेट) के माध्यम से परीक्षा दिलाने के प्रयासों पर बोर्ड ने सख्त रुख अपनाया है। अब तक प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर 22 ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां वास्तविक अभ्यर्थी के स्थान पर दूसरे व्यक्ति को परीक्षा देते हुए पकड़ा गया। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि इसके पीछे संगठित गिरोह सक्रिय है, जो आर्थिक लाभ के लिए छात्रों को गलत राह पर धकेल रहा है। परिषद ने इन मामलों में उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम, 2024 के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। बोर्ड सचिव भगवती सिंह की ओर से पुलिस महानिदेशक को भेजे गए पत्र में परिषद ने सॉल्वर गैंग के सरगनाओं, बिचौलियों और अवैध कोचिंग संचालकों की पहचान कर कठोर कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

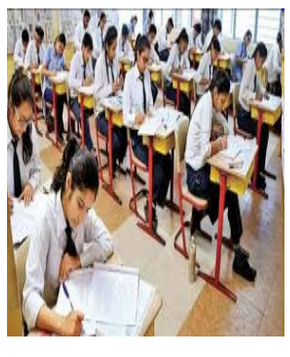

साथ ही परीक्षा केंद्रों के अंदर या बाहर सहयोग करने वाले किसी भी कर्मचारी की भूमिका की गहन जांच के निर्देश दिए गए हैं। परिषद ने यह भी कहा है कि सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखा जाए और साक्ष्य के रूप में उपयोग किया जाए। अधिकारियों का मानना है कि दोषियों के विरुद्ध त्वरित और निर्णायक कार्रवाई से न केवल वर्तमान परीक्षा प्रक्रिया सुरक्षित होगी, बल्कि भविष्य में भी ऐसे गिरोहों के लिए यह एक सख्त संदेश साबित होगा। साक्ष्य संकलन कर करें कड़ी कार्रवाई बोर्ड सचिव ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों के जिला विद्यालय निरीक्षकों (डीआईओएस) को निर्देश जारी कर छद्म परीक्षार्थियों से जुड़े मामलों में ठोस साक्ष्य संकलित कर कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। निर्देशों में कहा गया है कि केवल आरोपी को पकड़ लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी जांचा जाए कि प्रवेश पत्र में फोटो सुपरइंपोज तो नहीं किया गया, केंद्र पर फोटो का मिलान ठीक से हुआ या नहीं तथा उपस्थिति पत्रक पर हस्ताक्षर का सत्यापन किया गया या नहीं।

एसआई के बेटे और दुकानदार की सड़क हादसों में मौत

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रयागराज। नैनी के लेप्रोसी चौराहा और नए यमुना पुल पर हुए दो सड़क हादसों में बीएसएफ में एसआई के बेटे और एक दुकानदार की मौत हो गई। दोनों हादसे गुरुवार रात हुए थे। मूल रूप से बलिया के रहने वाले श्रीपत पांडेय बीएसएफ में एसआई हैं। इनका सुढ़ियाभीट अरैल में मकान है। इनके तीन बेटों में दूसरे नंबर का 24 वर्षीय अजय पांडेय सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहा था। गुरुवार रात वह कोचिंग से घर लौटते समय हादसे का शिकार हो गया। उसकी बाइक नए यमुना पुल पर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। गंभीर चोट आने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बेटे के मौत की खबर पाकर श्रीपत पांडेय शुक्रवार को घर पहुंचे। वहीं गुरुवार रात गुड़ मंडी चौक निवासी 50 वर्षीय दिलीप कुमार केसरवानी की लेप्रोसी चौराहे पर डंपर की टक्कर से मौत हो गई। लोकनाथ चौराहे के समीप कचौड़ी की दुकान चलाने वाले दिलीप बाइक से नैनी स्थित ग्रीन गार्डेन शादी में शामिल होने जा रहे थे। देर रात तक शादी में न पहुंचने पर घरवालों ने तलाश शुरू की तो लेप्रोसी चौराहे पर उनकी बाइक मिली। पता चला कि उनकी सड़क हादसे में मौत हो चुकी है। पुलिस ने शिनाख्त न होने पर शव को अज्ञात में पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया था। घरवालों ने थाने पहुंचकर दिलीप कुमार की शिनाख्त की। दो भाइयों में बड़े दिलीप के परिवार में पत्नी मधु केसरवानी और तीन बेटियां नैंसी, आयुषी और दीया है।

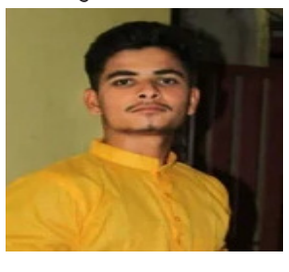

संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से छात्र की मौत

प्रयागराज। स्थानीय थानाक्षेत्र के चक गौरीशंकर नीबी गांव स्थित एक प्राइवेट स्कूल में रहने वाले आईटीआई के एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई। स्कूल स्थित कमरे में कुर्सी पर मृत मिले छात्र के माथे पर गोली लगी थी और उसके हाथ में तमंचा था। पुलिस प्रारंभिक तौर पर घटना को आत्महत्या मान रही है वहीं मृतक के घरवालों ने हत्या का आरोप लगाया है। हालांकि परिजनों की ओर से अभी हत्या की तहरीर नहीं दी गई है। फिलहाल घूरपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है। लालापुर थानाक्षेत्र के गोबरा तरहार निवासी रेवती रमण शुक्ल किसान हैं।

उनका 22 वर्षीय बेटा साहिल नैनी के एक निजी संस्थान से आईटीआई कर रहा था। साहिल घूरपुर के चक गौरीशंकर नीबी निवासी अपने फूफा लक्ष्मीकांत तिवारी उर्फ अनिल तिवारी के गांव में ही स्थित कॉन्वेंट स्कूल के एक कमरे में रहकर पढ़ाई कर रहा था। शुक्रवार सुबह स्कूल की आया और अध्यापक पहुंचे तो उन्होंने कमरे में कुर्सी पर साहिल का रक्तरंजित शव देखा। जानकारी पर अनिल तिवारी ने पुलिस और साहिल के घरवालों को सूचना दी। जिस पर एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान थाना प्रभारी घूरपुर और फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में साहिल के परिजन भी स्कूल पहुंच गए। पुलिस के मुताबिक कुर्सी पर बैठे साहिल के एक हाथ में 315 बोर का तमंचा था जिसमें खोखा फंसा था। सामने की कुर्सी पर उसके दोनों पैर थे और एक जिंदा कारतूस रखा था। एकदम करीब से माथे पर लगी गोली से साहिल के सिर का एक हिस्सा निकल कर जमीन पर पड़ा था और कमरे में ढेर सारा खून फैला था। हालांकि गोली अंदर ही फंसी थी। जांच-पड़ताल के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक साहिल ने इयरबड भी लगा रखा था जिससे अनुमान है कि घटना के वक्त वह किसी से बात कर रहा था। उसके मोबाइल पर लगातार कॉल भी आ रही थी लेकिन स्क्रीन टूटी होने के कारण यह पता नहीं चल सका कि कॉल कौन कर रहा था।

सिंगापुर में साइबर सुरक्षा की ट्रेनिंग लेंगे रेलवे के अधिकारी

प्रयागराज। रेलवे के डिजिटल सिस्टम और ऑनलाइन सेवाओं को और अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी सिंगापुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा और डिजिटल गवर्नेंस की विशेष ट्रेनिंग लेंगे। यह प्रशिक्षण 13 से 17 जुलाई तक सिंगापुर में 'डिजिटल गवर्नेंस, साइबर सिक्योरिटी और एआई अपनाने' पर रखा गया है।

जेएनयू छात्र संघ का मार्च हुआ हिंसक! पूर्व और वर्तमान अध्यक्ष सहित 14 गिरफ्तार, भारी पुलिस बल तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली का जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) एक बार फिर अखाड़े में तब्दील हो गया है। गुरुवार शाम छात्र संघ (जेएनयूएसयू) द्वारा आयोजित 'लॉन्ग मार्च' के दौरान छात्रों और दिल्ली पुलिस के बीच हिंसक झड़प हुई। इस मामले में पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए वर्तमान अध्यक्ष अदिति मिश्रा और पूर्व अध्यक्ष नीतीश कुमार समेत 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए लोगों में जाने-माने स्टूडेंट लीडर, जेएनयूएसयू के पूर्व प्रेसिडेंट नीतीश कुमार, जेएनयूएसयू प्रेसिडेंट अदिति मिश्रा, वाइस प्रेसिडेंट गोपिका बाबू और जॉइंट सेक्रेटरी दानिश अली शामिल हैं। वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन में ईं दर्ज की गई है और जांच चल रही है। इस बीच, स्टूडेंट्स और पुलिस के बीच झड़प के बाद भारी पुलिस तैनात जारी है। स्टूडेंट्स यूनियन के मार्च के दौरान हुई झड़प में पुलिस और जेएनयू स्टूडेंट्स घायल हो गए, पुलिस का दावा है कि उन पर हमला किया गया, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन पर बहुत ज़्यादा बल का इस्तेमाल किया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दंगाइयों ने लाठियां और जूते फेंके और मारपीट की, जिसमें एसीपी वेद प्रकाश, एसीपी संघमित्रा, एसएचओ अतुल त्यागी और एसएचओ अजय यादव जैसे सीनियर अधिकारियों समेत करीब 25 पुलिसवाले घायल हो गए। कहा जा रहा है कि झगड़े के दौरान कुछ पुलिसवालों को दांत भी लगे।

सोशल मीडिया पर हिंसा के जो वीडियो सामने आए हैं, उनमें कथित तौर पर जेएनयूएसयू से जुड़े छात्र पुलिसवालों से भिड़ते, अधिकारियों को थप्पड़ मारते, गालियां देते और सुरक्षा बलों पर लाठियां फेंकते दिख रहे हैं। एक क्लिप में, पीएचडी छात्र नीतीश कुमार यूनिवर्सिटी की दीवार पर चढ़ते और कथित तौर पर छात्रों को भड़काते हुए दिख रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में कथित तौर पर श्रेय नाम का एक छात्र एक पुलिस अधिकारी को थप्पड़ मार रहा है।

एक अलग क्लिप में छात्र सुरक्षाकर्मियों को गालियां देते और कैंपस के बाहर तैनात रैपिड एक्शन फोर्स के एक जवान पर लाठियां फेंकते दिख रहे हैं।

पुलिस ने एक बयान में कहा कि छात्रों ने जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) कैंपस से शिक्षा मंत्रालय के ऑफिस तक 'लॉन्ग मार्च' का आह्वान किया था। यह मार्च जेएनयू वाइस चांसलर शांतिश्री धुलीपुडी पंडित के हाल ही में एक पॉडकास्ट पर यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के नियमों को लागू करने, जेएनयूएसयू के पदाधिकारियों को निकालने और प्रस्तावित रोहित एक्ट पर दिए गए बयानों के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन का हिस्सा था।

पुलिस के मुताबिक, जेएनयू एडमिनिस्ट्रेशन ने विरोध कर रहे स्टूडेंट्स को बताया था कि कैंपस के बाहर किसी भी विरोध प्रदर्शन की परमिशन नहीं दी गई है और उन्हें अपना प्रदर्शन यूनिवर्सिटी परिसर के अंदर ही रखने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद, करीब 400-500 स्टूडेंट्स कैंपस में इकट्ठा हुए और विरोध मार्च शुरू कर दिया। दोपहर करीब 3.20 बजे, प्रदर्शनकारी मेन गेट से बाहर निकले और मिनिस्ट्री की ओर बढ़ने की कोशिश की।

'सच की हमेशा जीत होगी', सुनीता केजरीवाल ने दी पहली प्रतिक्रिया

केजरीवाल और सिसोदिया को मिली 'ईमानदारी' की क्लीन चिट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि एक्साइज पॉलिसी केस में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री को सभी आरोपों से बरी किए जाने के बाद सच की हमेशा जीत होती है।

सुनीता केजरीवाल ने माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर पर पोस्ट किया, 'इस दुनिया में, कोई कितना भी ताकतवर क्यों न हो जाए, शिव शक्ति से ऊपर नहीं उठ सकता। सच की हमेशा जीत होती है।'

सुनीता केजरीवाल का यह रिएक्शन आप के सीनियर नेताओं अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में सभी आरोपों से बरी किए जाने के कुछ ही देर बाद आया है। केजरीवाल और सिसोदिया के साथ, कोर्ट ने तेलंगाना जागृति की प्रेसिडेंट के कविता समेत बाकी सभी 21 आरोपियों के खिलाफ भी आरोप बरी कर दिए।

यह ऑर्डर राउज़ एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने दिया, जिन्होंने फैसला सुनाया कि केस में कोई 'बड़ी साज़िश या क्रिमिनल इरादा' नहीं था। कोर्ट ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) की भी खिंचाई करते हुए कहा कि अगर इस तरह के काम की इजाज़त दी गई तो यह संविधान का 'गंभीर उल्लंघन' होगा।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट ने कहा, 'ऐसा व्यवहार जिसमें किसी आरोपी को माफ़ी दे दी जाती है और फिर उसे सरकारी गवाह बना दिया जाता है, उसके बयानों का इस्तेमाल जांच/कहानी में कमियों को पूरा करने और दूसरे लोगों को आरोपी बनाने के लिए किया जाता है, यह गलत है।' फैसले के बाद जब अरविंद केजरीवाल मीडिया के सामने आए, तो वह अपने आंसू नहीं रोक सके। महीनों की कानूनी लड़ाई और जेल की अनिश्चितता के बाद मिली इस जीत पर उन्होंने कहाः 'मैं भ्रष्ट नहीं हूँ। आज अदालत ने भी कह दिया है कि मनीष सिसोदिया और मैं पूरी तरह ईमानदार हैं। यह जीत सिर्फ हमारी नहीं, बल्कि दिल्ली की जनता और सच्चाई की जीत है।'

यह फैसला न केवल आम आदमी पार्टी (आप) के लिए संजीवनी का काम करेगा, बल्कि विपक्षी एकता और आगामी चुनावों में भी एक बड़ा मुद्दा बनेगा। 23 आरोपियों में से किसी के भी खिलाफ आरोप तय न होना, इस केस की जड़ों पर ही सवाल खड़े करता है।

इस फैसले के साथ ही पिछले कई सालों से चला आ रहा 'शराब घोटाला' विवाद कानूनी रूप से धराशायी हो गया है। अब देखना यह होगा कि क्या सीबीआई इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती देती है या फिर यह 'आप' के लिए कूटनीतिक और राजनीतिक रूप से अंतिम विजय साबित होगी।

एनसीईआरटी विवाद मामले में कांग्रेस ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की एक पाठ्यपुस्तक से जुड़े विवाद के मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने "स्वयं पाठ्यपुस्तकों के पुनर्लेखन के लिए नागपुर सांप्रदायिक तंत्र का मार्गदर्शन किया है।" पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि उच्चतम न्यायालय को इस बात की भी जांच करनी चाहिए कि पाठ्यपुस्तकों को फिर से कैसे लिखा गया है और "वे कैसे ध्रुवीकरण और राजनीतिक हिसाब-किताब करने का साधन बन गई हैं।"

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "इजराइल में वास्तविक नैतिक कायरता का प्रदर्शन करने के बाद, प्रधानमंत्री एनसीईआरटी पुस्तकों के मुद्दे पर नकली आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। स्पष्ट रूप से नुकसान की भरपाई की कवायद के तहत यह बता रहे हैं कि वह एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों में न्यायपालिका के महत्वपूर्ण संदर्भों से बेहद नाखुश हैं।" उन्होंने दावा किया कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र के ऐसे "झोलाछाप लोगों के एक नेटवर्क की अगुवाई की है, जिन्होंने पाठ्यपुस्तकों को अपने वैचारिक वायरस से संक्रमित करके गंभीर क्षति पहुंचाई है।" उनका कहना है कि यह अचानक नहीं हुआ है, बल्कि एक व्यवस्थित अभियान का हिस्सा है।

रमेश ने दावा किया, "प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं पाठ्यपुस्तकों के पुनर्लेखन के लिए नागपुर सांप्रदायिक तंत्र का मार्गदर्शन किया है। यह उनका खुद को उन पाठ्यपुस्तकों से दूर करने का सरासर पाखंड है, जिसने उच्चतम न्यायालय को चिंतित किया है।" प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा के सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर अध्याय होने को लेकर बुधवार को कड़ी आपत्ति जताई थी, जिसके बाद एनसीईआरटी ने विवादित पाठ्यपुस्तक को अपनी वेबसाइट से हटा दिया। न्यायालय ने बृहस्पतिवार को एनसीईआरटी की इन किताबों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया और किताबों की सभी प्रतियों को जब्त करने के साथ-साथ इसके डिजिटल संस्करणों को भी हटाने का आदेश दिया।

'द केरल स्टोरी 2' पर बोली प्रियंका गांधी

बेहतर होगा शांति और प्रेम को बढ़ावा देने वाली फिल्में बनें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने फिल्म 'द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड' से जुड़े विवाद को लेकर शुक्रवार को कहा कि लोगों को खुद को अभिव्यक्त करने की अनुमति दी जानी चाहिए, लेकिन बेहतर होगा कि ऐसी चीजें बनाएं जो लोगों को खुशी दें और शांति, प्रेम और कल्याण को बढ़ावा दें। वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा ने फिल्म से जुड़े सवाल पर संवाददाताओं से कहा, 'सबसे पहले, मुझे लगता है कि लोगों को खुद को अभिव्यक्त करने की अनुमति दी जानी चाहिए, लेकिन साथ ही ऐसे माहौल में जो एक-दूसरे के प्रति इस तरह की बयानबाजी, गुस्से और नफरत से भरा होता जा रहा है, रचनात्मक रूप से ऐसी चीजें बनाना बेहतर है जो खुशी दें और लोगों के बीच शांति, प्रेम और कल्याण को बढ़ावा दें।" कांग्रेस सांसद ने कहा कि वायनाड में भूस्खलन की घटना के बाद सभी ने एक-दूसरे की मदद की और अपने धर्म या जाति की परवाह किए बिना ऐसा करना जारी रखा है। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि यह वह भावना है जो वास्तव में भारत का सार और केरल की भावना है और यही इसके बारे में बहुत सुंदर है।' केरल उच्च न्यायालय ने 'द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड' के प्रदर्शन पर बृहस्पतिवार को अंतरिम रोक लगा दी और कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि फिल्म का प्रमाणन करते समय सेंसर बोर्ड ने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया।

'दाढ़ी वालों को देखकर मैं डर जाता हूं'

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने क्यों दिया ये बयान; इंटरनेट पर मची हलचल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार, 25 फरवरी को अपने गृह राज्य राजस्थान के चुरू जिले पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व सांसद राम सिंह कसवा और पूर्व विधायक कमला कसवा से उनके घर जाकर मुलाकात की। दरवाजे पर ही उनका गरिमापूर्ण स्वागत किया गया।

मुलाकात के दौरान धनखड़ ने गांव के एक व्यक्ति से मजाकिया अंदाज में कहा, 'अच्छा हुआ आपने दाढ़ी नहीं रखी। दाढ़ी वालों को देखकर मैं डर जाता हूं। मेरा ओएसडी भी अपनी दाढ़ी से मुझे डराता है।' यह बयान उन्होंने हंसी-मजाक में कहा, लेकिन सोशल मीडिया पर यह तेजी से वायरल हो गया। लोग इस बयान पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। जगदीप धनखड़ के इस बयान को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। कुछ लोग इसे सामान्य मजाक मान रहे हैं, जबकि कुछ का मानना है कि उन्होंने दाढ़ी रखने वाले वर्ग या अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को टारगेट करने की कोशिश की। विपक्ष के कुछ नेता भी इसे लेकर ट्वीट और कमेंट कर चुके हैं।

पूर्व उपराष्ट्रपति ने चुरू जिले के सादुलपुर इलाके में पूर्व सांसद के आवास पर कई लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सहज और आत्मीय अंदाज में लोगों से बातचीत की, जिससे कई लोग प्रभावित हुए। वीडियो में देखा जा सकता है कि दाढ़ी और टोपी वाले लोग भी उनका स्वागत कर रहे थे और धनखड़ ने उनसे भी गर्मजोशी से मुलाकात की।

उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद यह उनका चुरू दौरा पहला था। उनकी सरलता और सहज व्यवहार की चर्चा हो रही है, लेकिन उनका दाढ़ी वाला मजाकिया बयान सोशल मीडिया पर प्रमुख सुर्खियों में है। कई लोग इसे मनोरंजक मान रहे हैं, तो कुछ इसे राजनीतिक संकेत भी मान रहे हैं।

पिता की हत्या के लिए बेटियों ने रची साजिश छोटी बेटी के प्रेमी ने लाकर दी नींद की गोलियां फिर चाकू मारकर उतारा मौत के घाट

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। जिले में 55 वर्षीय एक दलित व्यक्ति की हत्या के मामले में उसकी दो बेटियों की गिरफ्तारी के चार दिन बाद पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि आरोपी की पहचान रॉकी के रूप में हुई है और उस पर आरोप है कि उसने राम प्रसाद की दो बेटियों द्वारा चाकू मारकर अपने पिता की हत्या करने से पहले उन्हें नींद की गोलियां मुहैया कराई थीं।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आदित्य बंसल ने संवाददाताओं को बताया कि भोपा थाना क्षेत्र के मोरना गांव में 23 फरवरी को राम प्रसाद की हत्या की जांच के दौरान यह सामने आया कि रॉकी का मृतक की 16 वर्षीय बेटी के साथ संबंध था। बंसल ने कहा, 'जांच के दौरान, रॉकी नामक युवक नींद की गोलियां मुहैया कराकर हत्या करने के मामले में शामिल पाया गया। उसने गोलियां मुहैया कराने की बात कबूल कर ली है।' पुलिस ने बताया कि राम प्रसाद की बड़ी बेटी कोमल (32) और 16 वर्षीय एक नाबालिग बेटी ने कथित तौर पर नींद की गोलियां खिलाकर अपने पिता की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस का कहना है कि रॉकी के साथ नाबालिग बेटी के रिश्ते पर राम प्रसाद की आपत्ति और बेटियों पर लगाए गए विभिन्न 'प्रतिबंधों' के कारण अपराध को अंजाम दिए जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने घटना वाले दिन ही हत्या का मामला दर्ज कर दोनों बेटियों को गिरफ्तार कर लिया था।

यौन शोषण मामले में सच सामने लाने को नार्को टेस्ट के लिए तैयार हूं : अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी (एजेंसी)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शुक्रवार को कहा कि उनके खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज मामले में यदि सच्चाई का पता लगाने के लिए नार्को टेस्ट जरूरी हो तो वह इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'यदि नार्को टेस्ट से सच्चाई सामने आ सकती है तो यह अवश्य किया जाना चाहिए। सच उजागर करने के लिए जो भी तरीके उपलब्ध हैं, उन्हें अपनाया जाना चाहिए।'

नार्को टेस्ट एक वैज्ञानिक जांच प्रक्रिया है, जिसमें किसी संदिग्ध को 'सोडियम पेंटोथल' जैसी दवा दी जाती है। इसके असर से वह पूरी तरह होश में नहीं रहता, लेकिन सवालों के जवाब दे सकता है जिससे उसके सच बोलने की संभावना बढ़ जाती है। यह टेस्ट अदालत की अनुमति और व्यक्ति की सहमति के बाद विशेषज्ञों की निगरानी में ही होता है। संत की अग्रिम जमानत याचिका पर शुक्रवार को अपराह्न करीब पौने चार बजे इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सुनवाई हो सकती है। उनके शिष्य संजय पांडे ने बताया कि स्वामी अपनी नियमित धार्मिक गतिविधियों में भाग ले रहे हैं और उन्होंने प्रतिदिन की तरह पूजा-अर्चना की। मठ में बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी मौजूद थे।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि उनके वकील अदालत में उपस्थित हैं और सभी साक्ष्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा, 'झूठ अधिक समय तक नहीं टिकता। जिन्होंने झूठी कहानी गढ़ी है, वे बेनकाब हो रहे हैं। जैसे-जैसे लोगों को इस मनगढ़ंत मामले की जानकारी होगी, सच्चाई स्पष्ट हो जाएगी।' मेडिकल जांच रिपोर्ट से जुड़े दावों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, 'एक मेडिकल रिपोर्ट हमारी संलिप्तता कैसे साबित कर सकती है? कहा जा रहा है कि रिपोर्ट से दुराचार सिद्ध हुआ है।

यह किसी का कथन हो सकता है, लेकिन इतने दिनों बाद की गई मेडिकल जांच का क्या महत्व है?' उन्होंने कहा कि यदि कोई गलत घटना हुई भी हो, तो इससे स्वतः यह सिद्ध नहीं होता कि उसके लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने कहा, 'जो बच्चा कभी हमारे पास आया ही नहीं, उसे हमारे नाम से जोड़ना आसान नहीं है।'

अविमुक्तेश्वरानंद ने आरोप लगाया कि बच्चे शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी उर्फ पांडे के साथ रह रहे थे और सवाल उठाया कि उन्हें किशोर गृह क्यों नहीं भेजा गया। उन्होंने मीडिया की खबरों का हवाला देते हुए दावा किया कि बच्चों को हरदोई के एक होटल में रखा गया था और उन्हें पत्रकारों से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने पुलिस पर शिकायतकर्ता को संरक्षण देने और उनके खिलाफ बयान तैयार कराने का आरोप लगाया। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, 'कहानी कितनी भी मनगढ़ंत क्यों न हो, सच्चाई अंततः सामने आएगी।'

इससे पहले बृहस्पतिवार को स्वामी ने पॉक्सो अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत दर्ज मामले को 'झूठा' बताते हुए आरोप लगाया था कि यह उन्हें बदनाम करने और दुनिया भर में चर्चित "एप्स्टीन फाइल्स" से ध्यान भटकाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य के रूप में जिस संस्था का वह प्रतिनिधित्व करते हैं, उसकी गरिमा की रक्षा के लिए उन्होंने अग्रिम जमानत हेतु उच्च न्यायालय का रुख किया है। उन्होंने यह भी कहा कि न तो उनका और न ही उनके गुरुकुल का शिकायतकर्ताओं से कोई संबंध है।

अखिलेश ने एनसीईआरटी विवाद को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

कहा- सरकार है या मनमानी का सर्कस?

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठवीं की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक को लेकर छिड़े विवाद के संबंध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर शुक्रवार को निशाना साधा और आश्चर्य जताया कि "भाजपाई सरकार चला रहे हैं या मनमानी का सर्कस?" उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा बड़े-बड़े आरोप लगाती है और बाद में पकड़े जाने पर खेद व्यक्त करती है। उनकी यह टिप्पणी उच्चतम न्यायालय ने द्वारा एनसीईआरटी की पुस्तक के भविष्य में किसी भी प्रकाशन, पुनर्मुद्रण या डिजिटल प्रसार पर "पूर्ण प्रतिबंध" लगाए जाने के एक दिन बाद आई है।

शीर्ष अदालत ने उल्लेख किया कि ऐसा लगता है कि न्यायपालिका को कमजोर करने और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए एक "गहरी साजिश" और "सुनियोजित प्रयास" किया गया है। यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "जैसे फंसाती है चोर को खांसी, वैसे गुनाहगार को झूठी माफी।" उन्होंने कहा, "भाजपाई अपनी भ्रष्टाचारी सोच से पहले तो दूसरों पर अपने से कई गुने बड़े आरोप लगाते हैं (जिसका मूल उद्देश्य ये होता है कि दूसरों के महाकाय आरोपों के आगे उनके भ्रष्टाचार नगण्य लगें) लेकिन जब फंस जाते हैं तो 'खेद' प्रकट करते हैं।"

सपा अध्यक्ष ने कहा, "दिखावटी माफी आखिरकार पकड़ी ही जाती है, ऐसे धूर्त लोगों की झूठी मंशा और कपट का एक न एक दिन पर्दाफाश होता ही है, जो इस बात का भंडाफोड़ कर देता है कि वो कसूरवार हैं, बेकसूर नहीं।" उन्होंने कहा, "ताजा मामले में एनसीईआरटी की किताब में इन भ्रष्ट भाजपाइयों ने माननीय न्यायपालिका तक पर भ्रष्ट होने के इल्जाम लगाए और जब उच्चतम न्यायालय से कड़ी आपत्ति हुई तो मासूम बनकर खेद रहे हैं, हमें तो मालूम ही नहीं ये किसने किया।" यादव ने कहा, "जनता पूछ रही है कि भाजपाई सरकार चला रहे हैं या मनमानी का सर्कस?"

इश्क का खौफनाक अंत! प्रदेश में एक ही फंदे से झूल गया प्रेमी युगल

लंबे समय से दोनों का चल रहा था प्रेम-प्रसंग, जांच में जुटी पुलिस

बाराबंकी (एजेंसी)। जिले के मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह जब गांव के लोग अपने खेतों की ओर निकले तो गांव की सरहद पर स्थित एक पेड़ से लटकते दो शवों को देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। 22 वर्षीय हारून और 20 वर्षीय शीबा के बेजान शरीर एक ही फंदे से झूल रहे थे। देखते ही देखते यह खबर आग की तरह पूरे इलाके में फैल गई और मौके पर ग्रामीणों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा। हर तरफ बस एक ही चर्चा थी कि आखिर इस प्रेम कहानी का इतना दर्दनाक अंत कैसे हो गया।

गांव की गलियों में दबी जुबान से चर्चा है कि हारून और शीबा लंबे समय से एक-दूसरे के करीब थे और साथ जीने-मरने की कसमें खा चुके थे। वे अपने इस रिश्ते को निकाह के मुकाम तक ले जाना चाहते थे लेकिन सामाजिक और पारिवारिक बंदिशें उनके सपनों के आड़े आ रही थीं। बताया जा रहा है कि परिवार के लोग इस रिश्ते के सख्त खिलाफ थे और दोनों की शादी के पक्ष में नहीं थे। इसी विरोध और मानसिक दबाव ने शायद इन दोनों युवाओं को मौत के रास्ते पर धकेल दिया। हालांकि पुलिस अभी इन दावों की आधिकारिक पुष्टि करने में जुटी है।

वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को अपने घेरे में ले लिया। फॉरेंसिक टीम ने भी बारीकी से साक्ष्य जुटाए ताकि मौत के पीछे की असली वजह का पता लगाया जा सके क्योंकि फंदे पर लटके दोनों शवों के पैर जमीन से लगे हुए थे। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का ही प्रतीत होता है।

रंगभरी एकादशी से वृन्दावन में होली की शुरुआत

पूजा-पाठ के बाद शुरू हुआ उत्सव ठाकुरजी संग रंग खेल निहाल हुए भक्त

मथुरा (एजेंसी)। रंगभरी एकादशी से शुक्रवार को वृन्दावन के मंदिरों में होली उत्सव की शुरुआत हो गई, जहां प्रमुख मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं और पूरा शहर पारंपरिक 'रसिया' भजनों से गूंज उठा। बांके बिहारी मंदिर में पुजारियों ने कहा कि उत्सव की शुरुआत भगवान बांके बिहारी द्वारा प्रतीकात्मक रूप से भक्तों के साथ होली खेलने के साथ हुई। मंदिर के सेवायत (पुजारी) ज्ञानेंद्र किशोर गोस्वामी ने कहा कि अनुष्ठान की शुरुआत ठाकुर जी द्वारा राधा रानी पर केसर, गुलाब जल, टेसू का अर्क और पिचकारी से इत्र से भरा पानी छिड़कने से हुई।

गोस्वामी ने इस त्योहार की शुरुआत द्वापर युग से बताते हुए कहा कि ऐसा माना जाता है कि राधा ने सबसे पहले भगवान कृष्ण के गालों पर रंग लगाया था, जो ब्रज में होली की परंपराओं की शुरुआत का प्रतीक था। एकादशी अनुष्ठान के बाद, भगवान को प्रसाद के रूप में गुजिया और जलेबी अर्पित की गई। उन्होंने कहा, "बांके बिहारी ने इस अवसर के लिए सफेद पोशाक पहनी और धुलंडी तक ऐसा करना जारी रखेंगे, जब वह गुलाबी वस्त्र पहनेंगे। सुबह और शाम, दोनों पहर के दर्शनों के दौरान होली उत्सव मनाया जाएगा।'

'इतिहासकार प्रह्लाद वल्लभ गोस्वामी ने कहा कि ब्रज में 'होली रसिया' गाने की परंपरा का एक लंबा इतिहास है, जिसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों कवियों द्वारा रचनाएं लिखी गई हैं।

सुबह से ही 'आज बिरज में होली रे रसिया' जैसे भजन न सिर्फ मंदिरों में बल्कि वृन्दावन की तंग गलियों में भी गूंजते रहे। बांके बिहारी मंदिर के एक अन्य सेवायत अनंत गोस्वामी ने कहा कि स्वामी हरिदास भगवान की पूजा करते समय भक्ति छंद गाते थे और यह प्रथा आज भी जारी है। भक्तों ने भगवान के साथ फूलों की होली भी खेली, जबकि आने वाले दिनों में लड्डू होली और जलेबी होली का कार्यक्रम है। मंदिर के सेवायत शशांक गोस्वामी ने कहा कि भारी भीड़ के बावजूद भक्तों ने अपने प्रिय देवता के साथ होली खेलते हुए जबरदस्त उत्साह दिखाया।

जॉर्जिया वोल का शतक, ऑस्ट्रेलिया ने भारत से लगातार 12वीं वनडे श्रृंखला जीती

होबार्ट **(एजेंसी)**। जॉर्जिया वोल के आकर्षक शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को यहां मौजूदा चैंपियन भारत को दूसरे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 83 गेंद शेष रहते हुए पांच विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 251 रन बनाए। प्रतिका रावल की 81 गेंद पर खेली गई 52 रन की पारी से भारत ने अच्छी शुरुआत की। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके लगाए। भारतीय टीम हालांकि बीच के ओवरों में लड़खड़ा गई। इसके बाद हरमनप्रीत ने 70 गेंद पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने जॉर्जिया वोल (82 गेंद पर 101 रन, 13 चौके, एक छक्का) और फीबी लिचफील्ड (62 गेंद पर 80 रन) की उम्दा पारियों की मदद से 36.1 ओवर में पांच विकेट पर 252 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में अपना

शानदार रिकॉर्ड जारी रखा।

ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक भारत के खिलाफ सभी 12 द्विपक्षीय वनडे श्रृंखलाएं जीती हैं। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपनी आखिरी अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेल रही कप्तान एलिसा हीली (06) का विकेट जल्दी गंवा दिया जिन्हें काशवी गौतम (47 रन देकर दो विकेट) ने इनस्विंग यॉर्कर पर बोल्ड किया। इसके बाद हालांकि लिचफील्ड और वोल ने अगले लगभग 15 ओवर तक भारत को कोई सफलता हाथ नहीं लगने दी और इस बीच दूसरे विकेट के लिए 15.4 ओवर में 119 रन की साझेदारी की।

इन दोनों ने भारत के तेज और स्पिन आक्रमण का सहजता से सामना किया और भारत के खराब क्षेत्ररक्षण का भी फायदा उठाया। क्रांति गौड़ (54 रन देकर एक विकेट) ने लिचफील्ड को आउट करके यह साझेदारी तोड़ी। लिचफील्ड स्कूप करने के प्रयास में बोल्ड हो गईं। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया। वोल ने बेथ मूनी (31) के साथ तीसरे विकेट के लिए 67 गेंद पर 82 रन की साझेदारी की। वह शतक पूरा करने के बाद कासवी की गेंद पर फाइन लेग पर कैच देकर पवेलियन लौटी। दीप्ति शर्मा (32 रन देकर दो विकेट) ने मूनी और फिर एनाबेल सदरलैंड (10) को आउट किया लेकिन इससे परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा।

एशले गार्डनर (नाबाद 19) ने विजयी चौका लगाया। इससे पहले रावल ने स्मृति मंधाना (31) के साथ पहले विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी करके उसे मजबूत शुरुआत दी।

टी20 विश्व कप में अर्शदीप का कहर, बोले- जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज से सीख रहा हूं गेंदबाजी का गुरुमंत्र

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि वह परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने और बल्लेबाजों पर हावी होने के लिए अब भी अपने सीनियर साथियों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज से सीख ले रहे हैं। अर्शदीप ने यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा तथा केवल 24 रन देकर तीन विकेट लिए।

भारत की 72 रन से जीत के बाद अर्शदीप ने पत्रकारों से कहा, "मैं अपने गेंदबाजी समूह में सबसे युवा हूं। टीम मुझ पर भरोसा दिखाती है। अगर आपको पावर प्ले में दो ओवर फेंकने का मौका मिलता है तो विकेट लेने की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि उस समय बल्लेबाज रन बनाने के लिए जोखिम भरे शॉट खेलने की कोशिश करते हैं।" उन्होंने कहा, "मैं (गेंदबाजी कोच) मोर्ने (मोर्कल) के साथ इस पर काम कर रहा हूं कि मैं कैसे सक्रिय रह सकता हूं। मैं कैसे बल्लेबाजों पर हावी हो सकता हूं, परिस्थितियों के अनुसार खुद को कैसे ढाल सकता हूं और अपने खेल में कैसे बदलाव ला सकता हूं। मेरा साथ देने के लिए मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक (पंड्या) भाई जैसे बहुत अच्छे गेंदबाजी सहयोगी हैं।" अर्शदीप से पूछा गया कि क्या 256 रन के विशाल स्कोर बनाने से गेंदबाजों को मदद मिली, उन्होंने कहा, "हम इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे थे कि हमने कितने रन बनाए।

हम बस अपनी रणनीति के अनुसार गेंदबाजी करना चाहते थे और अपने स्तर को बनाए रखना चाहते थे। हम हमेशा एक लक्ष्य को ध्यान में रखते हैं, जैसे कि विकेट और मैदान की स्थिति के अनुसार 160 या 180 रन का स्कोर।" उन्होंने कहा, "इसलिए हम हमेशा एक गेंदबाजी इकाई के रूप में अपने स्तर को ऊंचा उठाने की कोशिश करते हैं। अतिरिक्त 20, 30, 40, 70 रन का फायदा होना अच्छी बात है। लेकिन हमारा ध्यान एक गेंदबाजी इकाई के रूप में अपने स्तर को ऊपर उठाने पर होता है।"

भारत अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए एक मार्च को कोलकाता में दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज का सामना करेगा, जो एक तरह से नॉकआउट मुकाबला होगा। अर्शदीप जानते हैं कि उनके सामने आगे क्या चुनौती है। उन्होंने कहा, "वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया। इसलिए मुझे लगता है कि वे भी स्थिति के अनुसार खुद को ढाल सकते हैं, लेकिन हम विकेट और परिस्थितियों को देखकर अपनी रणनीति बनाएंगे।"

अर्शदीप ने कहा कि खिलाड़ी और उनके परिवार के सदस्य वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए मैच पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने कहा, "मेरा परिवार कमरे में था। जब वेस्टइंडीज के बल्लेबाज ज़ोरदार शॉट लगा रहे थे, तो मेरे पिताजी ने कहा, तुम यह क्या कर रहे हो।

ऑस्ट्रेलिया को लगा झटका, कप्तान सोफी मोलिनक्स भारत के खिलाफ सीरीज से बाहर

होबार्ट **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की सभी प्रारूपों की कप्तान सोफी मोलिनक्स पीठ की दिक्कत की वजह से भारत के खिलाफ बाकी बहु-प्रारूप सीरीज से बाहर हो गई हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार 28 साल की ऑलराउंडर होबार्ट में दूसरे महिला एकदिवसीय मैच में पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण नहीं खेल पाईं। मोलिनक्स ब्रिस्बेन में सीरीज के पहले मैच में खेली थीं, जिसमें उन्होंने पांच ओवर गेंदबाजी की और 17 रन देकर एक विकेट लिया था।

इस चोट की वजह से अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में उनका खेलना मुश्किल हो सकता है, क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने इशारा किया है कि सीरीज से पहले उनकी फिटनेस पर नजर रखी जाएगी। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने, मोलिनक्स को ऑस्ट्रेलिया का ऑल-फॉर्मेट कैप्टन बनाया गया था, जो एलिसा हीली की जगह लेंगी, जो भारत सीरीज के आखिर में संन्यास लेने वाली हैं।

मोलिनक्स ने भारत के खिलाफ तीन टी-20 में टीम की अगुवाई की थी, जिसमें हीली नहीं खेली थीं, और वह ऑस्ट्रेलिया की इस महान खिलाड़ी की जगह उनके आखिरी इंटरनेशनल मैच, एकमात्र टेस्ट में लेंगी। टॉस के समय, हीली ने फॉक्स क्रिकेट से कहा, 'सोफी मोलिनक्स की आज की खबर सबके लिए थोड़ी चौंकाने वाली और उनके लिए निराशाजनक थी। उम्मीद है कि हम उन तीनों (एलिस पेरी और किम गार्थ भी घायल हैं) को संभाल पाएंगे और उन्हें आगे बढ़ने के लिए जरूरी प्यार दे पाएंगे।'

उनकी गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया के पास दो उप-कप्तानों एश्ले गार्डनर और ताहलिया मैकग्रा में से किसी एक को कमान सौंपने का विकल्प है। उल्लेखनीय है कि मोलिनक्स को पहले भी कई चोटें लगी हैं, वह पैर की चोट के कारण 2022 एशेज और एकदिवसीय विश्वकप से बाहर रहीं और उस साल कॉमनवेल्थ गेम्स में भी नहीं जा सकीं। एसीएल चोट के कारण वह 2023 टी-20 विश्व कप से भी बाहर रहीं। हाल ही में, घुटने की चोट से वापसी के बाद भारत और श्रीलंका में 2025 एकदिवसीय विश्व कप में मोलिनक्स की भागीदारी को ध्यान से मैनेज किया जा रहा था।

किदांबी श्रीकांत बाहर, जर्मन ओपन में भारत का अभियान खत्म

मुल्हेम एन डेर रूहर **(एजेंसी)**। जर्मन ओपन 2026 में भारत की चुनौती गुरुवार को निराशाजनक तरीके से खत्म हुई, जब किदांबी श्रीकांत पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में सीधे गेम में हार गए, और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट और मौजूदा वर्ल्ड नंबर 32 चीनी ताइपे के 11वीं रैंक वाले लिन चुन-यी से सिर्फ 32 मिनट में 21-14, 21-9 से हार गए। ताइवानी शटलर के खिलाफ़ इतने ही हेड-टू-हेड मुकाबलों में श्रीकांत की यह दूसरी हार थी। जनवरी में इंडिया ओपन 2026 का टाइटल जीतने वाले लिन ने इससे पहले स्विस ओपन 2024 के सेमीफाइनल में श्रीकांत को तीन गेम में हराया था। श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की, पहले गेम में 9-5 की बढ़त बना ली। हालांकि, लिन ने धीरे-धीरे वापसी की, कमी को दूर करते हुए 12-10 से आगे हो गए और फिर आराम से पहला गेम जीत लिया। इंटरवल के बाद ताइवानी शटलर का मोमेंटम मज़बूत रहा, उन्होंने दूसरे गेम में 7-1 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में कंट्रोल बनाए रखा, जिससे श्रीकांत वापसी नहीं कर पाए। इंडियन खिलाड़ी ने इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के बाद इस टूर्नामेंट में एंट्री की थी और इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भी देश को रिप्रेजेंट किया था।

बुधवार को जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा, मालविका बंसोड़ और किरण जॉर्ज के पहले राउंड से बाहर होने से भारत की चुनौती पहले ही कम हो गई थी। भारतीय शटलर अब मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में हिस्सा लेंगे, जो अगले मंगलवार को बर्मिंघम में शुरू होगा।

टी20 वर्ल्ड कप : जिम्बाब्वे पर जीत से सूर्यकुमार खुश, लेकिन इस विभाग में सुधार की बात की

चेन्नई **(एजेंसी)**। बल्ले से थोड़ी देर के लिए कुछ खास करने के बाद, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पूरी टीम से बहुत खुश थे, जिन्होंने सबसे जरूरी मौके पर अच्छा प्रदर्शन किया, क्योंकि पिछली चैंपियन टीम ने कल रात यहां जरूरी मैच में जिम्बाब्वे को 72 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया।

भारतीय कप्तान ने बाएं हाथ के अभिषेक शर्मा की जबरदस्त हाफ सेंचुरी से शो जीत लिया, जिन्होंने तीन बार डक के बाद अपनी बड़ी हिटिंग स्किल में वापसी का इशारा दिया, और प्लेयर ऑफ द मैच हार्दिक पांड्या ने जिम्बाब्वे के अटैक का जमकर मजा लिया, जिससे भारत ने चार विकेट पर 256 रन बनाए, जो भारत का अब तक का सबसे बड़ा टोटल और टी20 वर्ल्ड कप का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर था। बाद में गेंदबाजों ने भी बैट्समैन के अच्छे काम में अपनी भूमिका निभाई और जिम्बाब्वे को 6 विकेट पर 184 रन पर रोक दिया, जिससे भारत ने 72 रन के बड़े अंतर से जीत हासिल की और सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं।

भारत को अपने पहले सुपर आठ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। भारत का अगला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ मशहूर ईडन गार्डन में एक तरह से क्वार्टरफाइनल नॉकआउट होगा, जिसमें जीतने वाला लास्ट फोर ग्रेड में पहुंच जाएगा। मैच के बाद सूर्यकुमार यादव ने कहा कि सभी बल्लेबाजों का योगदान देखकर खुशी हुई, उन्होंने सब कुछ पीछे छोड़ दिया (प्रोटियाज़ के खिलाफ हार)। हालांकि उन्होंने कहा कि टीम बॉल के साथ और क्लिनिकल हो सकती थी, लेकिन स्काई ने कहा, 'जीत तो जीत होती है और कैरिबियन के खिलाफ नॉक आउट मुकाबले से पहले शिकंजा कसने की अहमियत के बारे में बात की।'

सूर्यकुमार यादव ने जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों को भी पूरा क्रेडिट देते हुए कहा कि उन्होंने बहुत स्मार्ट बैटिंग की, जिसमें ओपनर ब्रायन बेनेट 97 (834, 636) रन पर नाबाद रहे और एक ऐसे टारगेट का पीछा करते हुए अकेले ही आगे बढ़े जो नामुमकिन साबित हुआ। स्काई ने कहा, 'हम सब कुछ पीछे छोड़ना चाहते थे, पिछला गेम, ग्रुप स्टेज। सभी बैट्समैन का योगदान था और यह देखकर खुशी हुई।हम बॉल के साथ और क्लिनिकल हो सकते थे लेकिन जीत तो जीत होती है। हमें वेस्ट इंडीज मैच से पहले अपना शिकंजा कसने की जरूरत है।'

नई जीडीपी सीरीज में देश की अर्थव्यवस्था दिसंबर तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित नई राष्ट्रीय आय श्रृंखला के तहत चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 7.4 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा। इसके साथ ही मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की समूची अवधि में देश की अर्थव्यवस्था के 7.6 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है जबकि पहले इसका अनुमान 7.4 प्रतिशत लगाया गया था।

वार्षिक और तिमाही राष्ट्रीय आय के ये अनुमान नई राष्ट्रीय आय श्रृंखला के तहत जारी किए गए हैं। अब 2011-12 को आधार वर्ष मानने वाली पुरानी श्रृंखला की जगह 2022-23 को नया आधार वर्ष बनाया गया है। आधार वर्ष वह अवधि होता है, जिसके दाम और उत्पादन स्तर को मानक मानकर आगे की वृद्धि दर की तुलना की जाती है। इसके साथ ही जुलाई-सितंबर 2025-26 की वृद्धि दर को संशोधित कर 8.4 प्रतिशत कर दिया गया है, जो पहले 8.2 प्रतिशत आंकी गई थी।

हालांकि, अप्रैल-जून तिमाही की वृद्धि दर को 7.8 प्रतिशत से घटाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। आधार वर्ष में बदलाव से आर्थिक गतिविधियों के आकलन का दायरा व्यापक होता है और नई संरचना के अनुरूप आंकड़ों को अद्यतन किया जाता है। इससे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति को बेहतर तरीके से दर्शाया जा सकता है।

'क्रिकेट कभी प्लान नहीं था' जितेश शर्मा का चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा ने अपने क्रिकेट करियर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि पेशेवर क्रिकेटर बनना कभी उनके जीवन की प्राथमिक योजना नहीं थी। उनका सपना भारतीय सेना में शामिल होने का था, लेकिन स्कूल ट्रायल में लिया गया एक आकस्मिक फैसला उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की राह पर ले आया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जितेश ने अपने संघर्ष, प्रेरणा और मानसिकता पर खुलकर बात की।

जितेश शर्मा ने बताया कि बचपन में उनका झुकाव सेना और एयर फोर्स की ओर था। वे डिफेंस सर्विसेज में करियर बनाना चाहते थे। लेकिन राज्य सरकार की एक नीति, जिसमें खेलों में राज्य का प्रतिनिधित्व करने पर छात्रों को अतिरिक्त अंक मिलते थे, ने उन्हें स्कूल क्रिकेट ट्रायल्स में जाने के लिए प्रेरित किया। ट्रायल के दौरान विकेटकीपर के कॉलम में केवल एक नाम देखकर उन्होंने ग्लव्स पहन लिए। यही वह क्षण था जिसने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। उन्होंने कहा कि पहली बार ग्लव्स पहनना उनके लिए स्वाभाविक अनुभव था और वहीं से क्रिकेट का सफर शुरू हुआ।

जितेश ने अपने विकास में दो अहम लोगों का विशेष योगदान बताया। लोकल कोच प्रीतम गांधी ने शुरुआती दिनों में उनकी तकनीक और सोच को नई दिशा दी। उन्होंने उन्हें पारंपरिक रेड-बॉल माहौल से बाहर निकलकर आधुनिक खेल की जरूरतों के मुताबिक ढलने की सलाह दी। बाद में भारतीय सीनियर विकेटकीपर दिनेश कार्तिक से मुलाकात उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई। जितेश के मुताबिक, इन दोनों मार्गदर्शकों ने उनके आत्मविश्वास और कौशल को निखारने में बड़ी भूमिका निभाई।

जितेश ने अपनी सबसे बड़ी ताकत सीखने की भूख को बताया। उनका कहना है कि वे हमेशा नई चीजें सीखने को तैयार रहते हैं और जिद्दी रवैया नहीं अपनाते। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि यही गुण कई बार कमजोरी बन जाता है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी वे खुद को जरूरत से ज्यादा धकेल देते हैं, जबकि कुछ स्थितियों में रुककर सुधार पर ध्यान देना भी जरूरी होता है। उनके अनुसार, संतुलन बनाना ही असली चुनौती है।

आईपीएल में आरसीबी के साथ जुड़ने के बाद जितेश के करियर को नई रफ्तार मिली। उनका मानना है कि फ्रेंचाइजी मैनेजमेंट के भरोसे ने उनके अंदर की लड़ने वाली मानसिकता को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि आरसीबी से पहले उनके पास कौशल तो था, लेकिन किसी ने खुलकर विश्वास नहीं जताया। जब टीम मैनेजमेंट ने कहा कि वे उनके साथ खड़े हैं, तो इससे उनका आत्मविश्वास कई गुना बढ़ गया।

सेल के स्वदेशी इस्पात से बना 'आईएनएस अंजदीप' भारतीय नौसेना बेड़े में शामिल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश की सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक एवं महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने आईएनएस अंजदीप के लिए आवश्यक विशेष-ग्रेड इस्पात की आपूर्ति की है। भारतीय नौसेना ने शुक्रवार को आईएनएस अंजदीप युद्धपोत का जलावतरण किया। इस युद्धपोत का उद्देश्य भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं और तटीय निगरानी को बढ़ाना है। कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा विनिर्मित 'अंजदीप' एक अत्याधुनिक युद्धपोत है, जिसे विशेष रूप से तटीय और राष्ट्र की सुरक्षा के लिहाज से अहम, उथले जल क्षेत्रों में परिचालन की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया गया है।

आईएनएस अंजदीप 'एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट' परियोजना के तहत बनाए जा रहे आठ पोतों में से तीसरा है। कंपनी के बयान के अनुसार, नौसेना के पुराने होते 'अभय-श्रेणी' के जहाजों को बदलने के लिए इन एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी कार्वेट का निर्माण स्वदेशी रूप से किया जा रहा है। इस रणनीतिक प्रयास के तहत सेल ने जीआरएसई द्वारा बनाए जा रहे आठ एसडब्ल्यूसी कार्वेट के लिए करीब 3, 500 टन विशेष-ग्रेड के इस्पात की पूरी आपूर्ति की है। यह इस्पात... सेल के बोकारो, भिलाई और राउरकेला स्थित एकीकृत इस्पात संयंत्रों से उपलब्ध कराया गया है, जो देश की घरेलू आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती को दर्शाता है।

अर्जेंटीना में होगी संग्राम सिंह की एमएमए फाइट, फ्रांस के युवा फाइटर से मुकाबला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एमएमए खेल आइकन संग्राम सिंह के अर्जेंटीना की जमीन पर अपनी अगली फाइट की खबर के साथ ही वहां समुराई फाइट हाउस के अध्यक्ष मार्टिन पाकसियार्ज का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के टाइग्रे इलाके में रविवार, पांच अप्रैल को उनका फ्रांस के युवा फाइटर मौटेऊ मोंटेइरो से होने वाला मुकाबला मुख्य आकर्षण रहने वाला है, जहां युवा जोश और जुनून के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। संग्राम सिंह इस दिन एमएमए के समुराई फाइट हाउस 28 (एसएफएच 28) के मुख्य मुकाबले में उतरने वाले हैं। किसी भारतीय एमएमए फाइटर का अर्जेंटीना की धरती पर फाइट करने का यह पहला मौका होगा।

मार्टिन पाकसियार्ज ने कहा कि जॉर्जिया और नीदरलैंड के एम्सटर्डम में संग्राम ने एमएमए की कला में जो जलवा दिखाया है, उससे अर्जेंटीना के लोगों में उनको लेकर जबरदस्त उत्साह है। वहां के लोग यह भी जानने को उत्सुक हैं कि जहां मिट्टी और गद्दे की कुश्ती खूब चर्चा का विषय बनती हो, वहां से इन दोनों तरह की कुश्ती करने वाले संग्राम सिंह ने एमएमए में कैसे अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और उम्र के 40 के पड़ाव को पार करने के बाद भी कोई कैसे एमएमए में सफलता के झंडे गाड़ सकता है। वह भारत में इस खेल के एम्बेसडर हैं। उनकी इस फील्ड में कामयाबी से भारत में भी इस खेल को अलग पहचान मिली है। अर्जेंटीना में संग्राम सिंह की मौजूदगी मील का पत्थर साबित होने वाली है।

पूर्व प्रोफेशनल रेसलर से मिक्स्ड मार्शल आर्ट के फाइटर बने संग्राम सिंह ने कहा कि जब उन्होंने एमएमए की शुरुआत की तो हर किसी ने इस बात को लेकर हैरानगी जाहिर की थी कि रेसलिंग और एमएमए अलग दुनिया हैं लेकिन उन्हें विश्वास था कि मैट पर सीखा गया अनुशासन, फिटनेस और योद्धा की तरह जुझारूपन से वह एमएमए के मंच पर भी खुद को साबित करने में सफल रहेंगे। उनके हर मुकाबले से उनकी खेल कौशल (स्किल) में सुधार हुआ है।

संग्राम सिंह ने कहा कि नीदरलैंड और जॉर्जिया की फाइट ने उन्हें पहले से ज़्यादा मैच्योर और संपूर्ण फाइटर बनाने में मदद की है और अब अर्जेंटीना उनके सफर का अगला पड़ाव है, जहां वह अर्जेंटीनावासियों के दिल जीतने के अलावा अपने जीत के क्रम को बरकरार रखने के प्रति कृतसंकल्प हैं। अर्जेंटीना में एमएमए फाइट लड़ने वाले पहले भारतीय बनने पर संग्राम सिंह ने कहा कि समुराई फाइट हाउस दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित फाइट लीग में से एक है, जहां दुनिया भर के फाइटर हिस्सा लेते हैं। अर्जेंटीना में एसएफएच 28 का हिस्सा बनना और दक्षिण अमेरिकी दर्शकों के सामने उतरना उनके लिए गर्व की बात है। यह अब तक का उनका सबसे बड़ा मंच है और वह हर भारतीय को गर्व महसूस कराना चाहते हैं। उनका प्रोफेशनल रेसलिंग से एमएमए तक का सफर अब तक असाधारण रहा है।

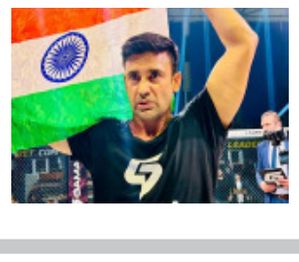

चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति पर फैसला टलने से टाटा ट्रस्ट के प्रस्ताव पर उठे सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन पद पर लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए एन चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति पर फैसला टलने से समूह के भीतर शीर्ष स्तर पर मतभेद से जुड़ी अटकलें तेज हो गई हैं। टाटा संस के निदेशक मंडल की मंगलवार को हुई बैठक में चंद्रशेखरन को एक और कार्यकाल देने के प्रस्ताव पर फैसला टाल दिया गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट ने पिछले साल सर्वसम्मति से उन्हें तीसरा कार्यकाल देने की सिफारिश की थी।

टाटा समूह से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखने वाले पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह निर्णय स्थगित होने से टाटा ट्रस्ट के उस सर्वसम्मत प्रस्ताव की स्थिति पर सवाल खड़े हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार, टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन की चेयरमैन पद पर दोबारा नियुक्ति को लेकर कुछ शर्तें रखी थीं। बताया जाता है कि उन्होंने समूह की कुछ कंपनियों, विशेषकर एयर इंडिया में हो रहे घाटे पर चिंता जताई। एयर इंडिया का अधिग्रहण 2022 में किया गया था और कंपनी को पुनर्गठित करने की प्रक्रिया अभी तक जारी है। इसके अलावा, सेमीकंडक्टर और बैटरी विनिर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों में भारी पूंजीगत व्यय से जुड़े जोखिमों पर भी उन्होंने सवाल उठाए।

सूत्रों ने यह भी कहा कि नियामकीय बाध्यता की वजह से टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किए जाने को लेकर भी निदेशक मंडल में आशंका जताई गई और इस संबंध में स्पष्ट आश्वासन मांगा गया। मामले से परिचित एक सूत्र ने कहा, 'टाटा ट्रस्ट का सर्वसम्मत प्रस्ताव स्पष्ट रूप से कायम है और उसे उचित समय पर लागू किया जाएगा।' हालांकि, एक अन्य पर्यवेक्षक ने सवाल उठाया कि क्या ट्रस्ट के नामित निदेशक टाटा संस के निदेशक मंडल में सर्वसम्मति के निर्णय से अलग रुख अपना सकते हैं। टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस में निर्णायक हिस्सेदारी है। टाटा संस 180 अरब डॉलर से अधिक मूल्य वाले टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है, जिसका कारोबार वाहन, इस्पात, सूचना प्रौद्योगिकी, विमानन और उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में फैला हुआ है। पिछले वर्ष टाटा ट्रस्ट के भीतर मतभेद का मामला केंद्र सरकार तक भी पहुंचा था। बाद में सरकार की तरफ से दोनों पक्षों को आपसी मतभेद सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने की सलाह दी गई थी।

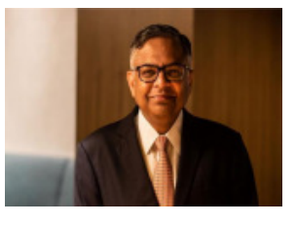

प्रयाग केसरी
RNI No. : UPHIN/2021/89881
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक **अनिल कुमार** द्वारा राधेश्याम पटेल वेब ऑफसेट प्रिन्टर्स, 65 मोनार्की इंडस्ट्रियल स्टेट, तेलियरगंज प्रयागराज से मुद्रित एवं AM-5, एडीए कॉलोनी नैनी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक
अनिल कुमार
मो.: 9140848107, 9161121509
सह-सम्पादक, संरक्षक
सुनील कुमार यादव
मोबाइल : 9454922906
-: e-mail : -
prayagkesarinews@gmail.com
सूचना : **प्रयाग केसरी** से संबंधित समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय ही होगा।
विज्ञापन : प्रयाग केसरी से जुड़ने व खबर देने के लिए संपर्क करे - 9140848107

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने अफगान तालिबान के खिलाफ खुला युद्ध का किया ऐलान, दोनों ओर से ताबड़तोड़ हमले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव ने शुक्रवार को गंभीर रूप ले लिया जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल और दक्षिणी शहर कंधार सहित कई इलाकों में हवाई हमले किए। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई जब अफगानिस्तान में सत्ता पर काबिज तालिबान ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर जवाबी हमला किया था। घटनाओं के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगान तालिबान के खिलाफ 'ओपन वॉर' का ऐलान किया, जिससे दोनों देशों के रिश्तों में और कड़वाहट आ गई।

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने कहा कि काबुल, पकतिया प्रांत और कंधार में तालिबान के रक्षा ठिकानों को निशाना बनाया गया। वहीं आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने इस कार्रवाई को तालिबान की आक्रामक गतिविधियों का जवाब बताया। पाकिस्तानी अधिकारियों का कहना है कि सीमा पार से हो रहे हमलों और हिंसा के बाद यह कदम उठाना जरूरी हो गया था।

हमलों के दौरान काबुल में करीब दो घंटे तक लड़ाकू विमानों की आवाज, तेज धमाके और गोलीबारी की आवाजें सुनाई देती रहीं। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। कंधार में भी जेट विमानों की आवाज सुनी गई। कंधार को तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबातुल्लाह अखुंदजदा का गढ़ माना जाता है, इसलिए इस शहर में हमले की खबर ने विशेष ध्यान आकर्षित किया।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जाबिहुल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तानी हमलों की पुष्टि की, हालांकि उन्होंने कहा कि इन हमलों में कोई हताहत नहीं हुआ। दूसरी ओर, अफगान रक्षा मंत्रालय के मुताबिक जमीनी संघर्ष में उसके आठ सैनिक मारे गए। नंगरहार प्रांत के तोरखम बॉर्डर क्रॉसिंग के पास शरणार्थियों के एक कैंप में मोर्टार गिरने से सात लोग घायल हो गए, जिनमें एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है।

दोनों देशों के बीच रिश्ते पिछले कई महीनों से तनावपूर्ण बने हुए हैं। अक्टूबर में सीमा पर हुई झड़पों में 70 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद कई सीमा चौकियां बंद कर दी गईं, हालांकि जरूरतमंद अफगान शरणार्थियों को सीमित रूप से आने-जाने की अनुमति दी गई है। लगातार बढ़ती झड़पों और आरोप-प्रत्यारोप ने हालात को और नाजुक बना दिया है। संयुक्त राष्ट्र के मिशन के अनुसार हालिया हमलों में कम से कम 13 नागरिकों की मौत हुई है। वहीं तालिबान ने 18 लोगों के मारे जाने का दावा किया है। पाकिस्तान का कहना है कि उसके ऑपरेशन में 80 से अधिक उग्रवादी मारे गए, लेकिन तालिबान ने इस दावे को खारिज कर दिया है।

अफ़गानिस्तान-पाकिस्तान युद्ध : शहबाज शरीफ के ऑफिस के पास ही तालिबान ने गिरा दिया बम, बुरा फंसा पाकिस्तान!

काबुल **(एजेंसी)**। अफ़गान तालिबान सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ़ एक बड़ा जवाबी हमला किया। उन्होंने इस्लामाबाद के फैज़ाबाद इलाके में प्रधानमंत्री ऑफिस (पीएमओ) से सिर्फ़ छह किलोमीटर दूर बड़े मिलिट्री ठिकानों पर हमला किया। उन्होंने खास 'एटॉमिक' जगहों पर सटीक हवाई हमले किए, जिससे भारी नुकसान हुआ और बॉर्डर पर लड़ाई पाकिस्तान की राजधानी के बीचों-बीच तक फैल गई। सुसाइड ड्रोन और हवाई ऑपरेशन ने फैजाबाद में खास एटॉमिक मिलिट्री ठिकानों पर निशाना साधा, जो पीएमओ के बहुत करीब थे। इस तरह के एक चौंकाने वाली जवाबी कार्रवाई में भारी नुकसान पहुंचाया। इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान के डिप्टी स्पोक्सपर्सन ने एक्स पर बताया हमला नौशेरा, जमरूद मिलिट्री कॉलोनी और एबटाबाद में आर्मी कैंटोनमेंट तक फैल गया, जिसे सुबह 11 बजे सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। इन सटीक हमलों ने पाकिस्तान आर्मी के खास सेंटर, जगहों और जगहों को नुकसान पहुंचाया, जिससे पाकिस्तानी इलाके में अंदर तक एक नाटकीय घुसपैठ हुई।

अफ़गान तालिबान के नेशनल डिफ़ेंस मिनिस्ट्री ने ऐलान किया कि उसकी एयर फ़ोर्स ने शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे मिलकर एयरस्ट्राइक कीं, जिसमें पाकिस्तान की ज़रूरी मिलिट्री जगहों को निशाना बनाया गया - इस्लामाबाद में फ़ैज़ाबाद के पास एक कैंप, नौशेरा

में आर्मी कैंटोनमेंट, जमरूद मिलिट्री कॉलोनी और एबटाबाद में जगहें।

ये एयरस्ट्राइक पाकिस्तान के काबुल, कंधार और पक्तिया पर रात भर चले ऑपरेशन ग़ज़ब लिल-हक के हमलों का सीधा बदला थे, जिसमें 130 से ज़्यादा तालिबान लड़ाके मारे गए थे और नंगरहार एमो डिपो जैसी ज़रूरी चीज़ें तबाह हो गई थीं। इस्लामाबाद के 'खुली जंग' के ऐलान के साथ, तालिबान ने डटकर जवाब देने की कसम खाई, उनके डिप्टी स्पोक्सपर्सन ने एक्स पर ऐलान किया और हम उन्हें जीत दिलाएंगे। बदले का यह सिलसिला - खैबर पख्तूनख्वा में बॉर्डर पर फायरिंग से शुरू हुआ - अब पाकिस्तान के नर्व सेंटर के लिए खतरा बन गया है, जिससे अर्बन वॉरफेयर का डर बढ़ गया है।

जैसे ही हमलों की गूंज इस्लामाबाद में फैली, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ को राजधानी की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले हमलों का सामना करना पड़ा, जो पहले कभी नहीं हुए। तालिबान की ऑपरेशनल सफलता ने मिलिट्री में अंतर के बावजूद उनकी पहुंच को दिखाया, जो जमा किए गए हथियारों से मिले थे, जबकि पाकिस्तान के नेता - राष्ट्रपति ज़रदारी के 'कोई भी पहुंच से बाहर नहीं' वाले वादे से लेकर रक्षा मंत्री आसिफ के युद्ध के ऐलान तक - अपने शुरुआती हमले के नतीजों से जूझ रहे हैं। ईरान और सऊदी अरब जैसे क्षेत्रीय बिचौलिए अराजकता के खिलाफ दौड़ रहे हैं क्योंकि जैसे को तैसा हमलों से न्यूक्लियर खतरे का खतरा है।

यूएन में भारत के करारे जवाब ने पाकिस्तान और उसके तोते ओआईसी को दिखाया आईना, बगलें झाँकने लगा इस्लामाबाद

संयुक्त राष्ट्र **(एजेंसी)**। यूएम के मंच पर एक बार फिर पाकिस्तान की पोल खुल गई, जब उसने जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाकर भारत पर आरोप लगाने की कोशिश की। लेकिन इस बार भारत ने तथ्यों के ऐसे तीर चलाए कि इस्लामाबाद की बयानबाजी हवा हो गई। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 61वें नियमित सत्र के उच्च स्तरीय खंड में भारत की ओर से प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने जिस स्पष्टता और दृढ़ता से जवाब दिया, उसने पाकिस्तान को आईना दिखा दिया।

भारत ने साफ कहा कि पाकिस्तान एक 'खयाली दुनिया' में जी रहा है। जिस देश की अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय कर्ज के सहारे चल रही हो, वह लोकतंत्र और मानवाधिकारों पर भाषण दे, यह अपने आप में विडंबना है। सच्चाई यह है कि पाकिस्तान ने आईएमएफ से जिस राहत पैकेज की गुहार लगाई, जम्मू-कश्मीर का विकास बजट उससे दोगुना से भी अधिक है। यह तुलना अपने आप में बताती है कि कौन आगे बढ़ रहा है और कौन कर्ज के दलदल में धंसा हुआ है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को यह स्वीकार करना कठिन लग रहा है कि जम्मू और कश्मीर में लोकतंत्र मजबूत हो रहा है। हालिया लोकसभा और विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड मतदान इस बात का प्रमाण है कि वहां की जनता ने आतंकवाद और अलगाववाद की विचारधारा को नकार दिया है। यह वही विचारधारा है जिसे दशकों तक पाकिस्तान ने खुला या छिपा समर्थन

दिया। लेकिन अब घाटी के लोग विकास, रोजगार और स्थिरता चाहते हैं और भारत सरकार उसी दिशा में काम कर रही है।

उन्होंने इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) का उल्लेख करते हुए कहा, "उच्च स्तरीय खंड के दौरान पाकिस्तान और ओआईसी द्वारा भारत के संदर्भ में की गई टिप्पणियों के बाद भारत अपना जवाब देने का अधिकार इस्तेमाल करने के लिए बाध्य है। हम इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हैं।" उन्होंने साफ कहा कि ऐसे देश से लोकतंत्र पर उपदेश सुनना अटपटा है जहां असैन्य सरकारें शायद ही कभी अपना कार्यकाल पूरा करती हैं। उन्होंने कहा, "जम्मू-कश्मीर में दुनिया के जिस सबसे बड़े पुल, चिनाब रेल पुल का पिछले साल उद्घाटन किया गया था, यदि वह फर्जी है तो फिर पाकिस्तान भ्रम या खयाली दुनिया में जी रहा है।"

क्या ट्रंप ने बना लिया ईरान पर हमले का प्लान? तनाव के बीच अमेरिका ने इजराइल में तैनात किए एफ22 लड़ाकू विमान

वाशिंगटन। मध्य पूर्व में ईरान को लेकर जारी तनाव के बीच अमेरिका ने एक अहम रणनीतिक कदम उठाया है। पहली बार अमेरिका ने अपने अत्याधुनिक एफ22 रैप्टर स्टेल्थ लड़ाकू जेट्स को इज़राइल के एयरबेस पर तैनात किया है। यह कदम संभावित युद्ध की तैयारी का संकेत माना जा रहा है। कम से कम 12 अमेरिकी एफ22 स्टेल्थ फाइटर इज़राइल के दक्षिणी एयरबेस पर उतरे हैं, जहां वे क्षेत्रीय सुरक्षा तथा संभावित हमलों के जवाब में तैनात किए गए हैं। यह तैनाती अमेरिका की बढ़ती सैन्य उपस्थिति का हिस्सा है, जिसमें कई प्रकार के एयर और नेवल संसाधन पहले से ही क्षेत्र में भेजे जा चुके हैं। एफ22 रैप्टर को दुनिया के सबसे उन्नत एयर सुपीरियरिटी स्टेल्थ विमान के रूप में जाना जाता है। यह विमान रडार से बचकर उड़ान भरने, दुश्मन एयर डिफेंस सिस्टम को भेदने और ज़रूरत पड़ने पर सटीक हमला करने की क्षमता रखता है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम तथा मिसाइलों को लेकर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। अमेरिका ने ईरान को हाल के दौर की बातचीत में परमाणु हथियार नहीं बनाने की चेतावनी दी है और अगर कूटनीति विफल होती है तो सैन्य विकल्प भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इज़राइल के रक्षा अधिकारियों का मानना है कि अगर तनाव वार में बदलता है तो यह तैनाती महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। वहीं, इज़राइल और अमेरिका के बीच सैन्य सहयोग पहले से ही मजबूत है और यह कदम उसे और गहरा कर सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार यह तैनाती सिर्फ रक्षा की तैयारी नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश भी है कि अमेरिका और उसके मिलिट्री साझेदार ईरान पर किसी भी सम्भावित हमले या जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार हैं। यह एफ22 विमान अंतरराष्ट्रीय राजनीति और सैन्य संतुलन दोनों पर असर डाल सकता है।

अमेरिका-यूक्रेन बातचीत के बीच रूस का सबसे बड़ा हमला, 459 ड्रोन-मिसाइलों से दहला यूक्रेन, कई इलाकों में बिजली-गैस ठप

मॉस्को **(एजेंसी)**। रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिशें तेज़ हो रही थीं, तभी रूस ने यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला कर दिया। एक तरफ अमेरिका और यूक्रेन के प्रतिनिधि स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में शांति और पुनर्निर्माण पर चर्चा कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर रूस ने सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलें दागकर तबाही मचा दी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के मुताबिक, रूस ने एक ही रात में 420 ड्रोन और 39 मिसाइलें दागीं। इनमें 11 बैलिस्टिक मिसाइलें भी शामिल थीं। कुल मिलाकर यह हमला 459 हवाई हथियारों का था, जिसे युद्ध के सबसे बड़े हमलों में गिना जा रहा है।

जेलेंस्की ने बताया कि रूसी हमलों में यूक्रेन के आठ अलग-अलग क्षेत्रों को निशाना बनाया गया। बिजली स्टेशन, गैस पाइपलाइन और आम लोगों के घरों को भारी नुकसान पहुंचा। कई शहरों में अंधेरा छा गया और गैस सप्लाई बाधित हो गई। इस हमले में बच्चों समेत दर्जनों नागरिक घायल हुए हैं। यूक्रेन की वायुसेना ने दावा किया कि उसने ज्यादातर ड्रोन और मिसाइलें हवा में ही मार गिराईं, लेकिन इतने बड़े हमले को पूरी तरह रोक पाना संभव नहीं था। रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी जवाबी बयान जारी किया। मॉस्को का कहना है कि यूक्रेन ने रूस की तेल रिफाइनरियों और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, लेकिन रूसी एयर डिफेंस ने 17 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

रूसी हमले का समय बेहद अहम माना जा रहा है। उसी वक्त जिनेवा में अमेरिका की ओर से डोनाल्ड ट्रंप के करीबी प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर, यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद प्रमुख रुस्तम उमेरोव

के साथ बैठक कर रहे थे। इस बातचीत का मकसद युद्ध के बाद यूक्रेन के पुनर्निर्माण की योजना और अगले हफ्ते रूस के साथ संभावित त्रिपक्षीय वार्ता की रूपरेखा तैयार करना था। जेलेंस्की ने साफ कहा है कि युद्ध का समाधान तभी निकलेगा, जब उनकी सीधी बातचीत रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होगी। हालांकि क्रेमलिन ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है और कहा है कि अगर जेलेंस्की बात करना चाहते हैं तो वे मॉस्को आ सकते हैं। यूक्रेन ने इस विकल्प को अस्वीकार कर दिया है। यूक्रेन ने रूस पर शांति वार्ता का नाटक करने का आरोप लगाया है। यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि जब पूरी दुनिया युद्ध रोकने की अपील कर रही है, तब रूस और ज्यादा आक्रामक हो गया है। उनका कहना है कि रूस केवल अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए बातचीत का दिखावा कर रहा है, जबकि हकीकत में वह हमले लगातार तेज कर रहा है।

केजरीवाल के बरी होने पर कांग्रेस ने नाखुशी जताई आप ने किया राहुल गांधी, रॉबर्ट वाड्रा पर पलटवार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की शराब नीति में कथित घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल के बरी होने से सबसे बड़ा झटका कांग्रेस को लगा है। दरअसल अभी पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है और अगले साल वहां होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए कांग्रेस खुद को सत्ता का प्रबल दावेदार मान रही है। ऐसे में उसे डर है कि केजरीवाल को यदि सहानुभूति का लाभ मिल गया तो आम आदमी पार्टी पंजाब की सत्ता में लौट सकती है। इसके साथ ही कांग्रेस को यह भी डर है कि जिस तरह से लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार प्रधानमंत्री मोदी को विभिन्न मुद्दों पर घेरते हुए देश की राजनीति में लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं, उसकी काट के लिए केजरीवाल को सामने लाया गया है ताकि वह मोदी पर हमला करके राहुल के मुकाबले बढ़त ले सकें।

कहने को आम आदमी पार्टी विपक्षी इंडिया गठबंधन की घटक रही है लेकिन उसके मुखिया अरविंद केजरीवाल के रिहा होने से जिस तरह कांग्रेस नेताओं के चेहरे लटक गये हैं उससे सभी हैरत में हैं। हम आपको बता दें कि अरविंद केजरीवाल और कई अन्य के बरी होने के बाद कांग्रेस ने आज दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गुजरात और पंजाब के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आम आदमी पार्टी के प्रमुख को 'नहला-धुलाकर और वाशिंग मशीन से निकालकर' पेश कर रही है ताकि मुख्य विपक्षी दल को कमजोर किया जा सके। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा एक 'इच्छाधारी नाग' है जो सिर्फ कांग्रेस को हराने के लिए अपना रूप बदलती रहती है और इसके लिए वह किसी भी स्तर तक गिर सकती है। पवन खेड़ा ने कहा, "गुजरात और पंजाब के चुनाव आ रहे हैं तो अरविंद केजरीवाल को नहला-धुलाकर और वाशिंग मशीन से निकालकर पेश किया जा रहा है क्योंकि भाजपा का असली मकसद कांग्रेस मुक्त भारत है।" उन्होंने दावा किया कि कैसे कांग्रेस को कमजोर

किया जाए, यही भाजपा का खेल है और इसमें कई खिलाड़ी और अंपायर बिके हुए हैं।दूसरी ओर, पवन खेड़ा के बयान पर प्रतिक्रिया जताते हुए आपके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'मैं आपसे पूछता हूं कि केजरीवाल जेल गया, क्या रॉबर्ट वाड्रा जेल गया? संजय सिंह जेल गया, क्या राहुल गांधी जेल गया? मनीष सिसोदिया जेल गया, क्या सोनिया गांधी जेल गईं? कांग्रेसी किस मुंह से बात करते हैं, उन्हें शर्म नहीं आती?'

हम आपको यह भी बता दें कि दिल्ली कांग्रेस प्रमुख देवेंद्र यादव ने भी टिप्पणी की है कि इस तरह के घटनाक्रम अक्सर राज्यों में चुनावों के साथ मेल खाते हैं। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि अदालत के फैसले के समय को लेकर सवाल खड़े होते हैं क्योंकि यह सब ऐसे वक्त हो रहा है जब गुजरात विधानसभा चुनाव नजदीक हैं।

मोदी ने भारतीय कंपनियों से निवेश करने बजट घोषणाओं का लाभ उठाने का किया आह्वान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय उद्योग से निवेश एवं नवाचार बढ़ाने का शुक्रवार को आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने आक्रामक पूंजीगत व्यय और बजट में लगातार अनुकूल नीतिगत माहौल बनाकर आधार तैयार कर दिया है और अब निजी क्षेत्र के लिए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी वृद्धि के अगले चरण को आगे बढ़ाने का समय आ गया है। 'विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी, सुधार एवं वित्त' विषय पर बजट के बाद आयोजित 'वेबिनार' को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय 11 वर्ष पहले दो लाख करोड़ रुपये था जो बढ़कर केंद्रीय बजट 2026-27 में 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इसने विस्तार के लिए एक मजबूत नींव रखी है।

उन्होंने कहा कि अधिक आवंटन निजी क्षेत्र को नए जोश के साथ निवेश करने और 2026-27 के बजट घोषणाओं का लाभ उठाने का संकेत देता है। मोदी ने कहा, " भारतीय कंपनियों को नए निवेश एवं नवाचार के साथ आगे आना चाहिए। वित्तीय संस्थानों को व्यावहारिक समाधान तैयार करने और बाजार विश्वास बढ़ाने में

सहयोग देना चाहिए।" उन्होंने सुधारों को ठोस परिणामों में तब्दील करने के लिए सरकार, उद्योग और ज्ञान क्षेत्र के भागीदारों के बीच घनिष्ठ सहयोग का आह्वान किया। मोदी ने कहा, " हमें अवसंरचना में अधिक भागीदारी एवं वित्तीय मॉडल में नवाचार की आवश्यकता है... हमें परियोजना स्वीकृति पद्धतियों को मजबूत करना चाहिए और मूल्यांकन की गुणवत्ता में सुधार करना चाहिए।" सरकार ने पिछले एक दशक में भारत की वृद्धि रणनीति को रिकॉर्ड स्तर के पूंजीगत व्यय के इर्द-गिर्द केंद्रित किया है। निजी निवेश को आकर्षित करने और मध्यम अवधि की उत्पादकता बढ़ाने के लिए राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, डिजिटल अवसंरचना तथा ऊर्जा नेटवर्क पर व्यय में तेज वृद्धि की गई है।

हालांकि, निजी क्षेत्र ने अभी तक वह तथाकथित जुझारूपन (एनिमल स्पिरिट) पूरी तरह से प्रदर्शित नहीं किया है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछले दशक में भारत की मजबूत क्षमता दृढ़ विश्वास-आधारित सुधारों और कारोबार सुगमता में निरंतर सुधार के प्रयासों से प्रेरित रही है। भारत ने प्रौद्योगिकी-आधारित सुशासन को अपनाया है, संस्थानों को मजबूत किया है और आज भी देश सुधारों के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने कहा, " सुधारों की तेज गति को बनाए रखने के लिए हमें केवल नीतिगत मंशा पर ही नहीं, बल्कि उत्कृष्ट क्रियान्वयन पर भी ध्यान देना होगा। सुधारों का मूल्यांकन उनके जमीनी प्रभाव के आधार पर होना चाहिए। पारदर्शिता, गति और जवाबदेही बढ़ाने के लिए हमें कृत्रिम मेधा, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स का व्यापक उपयोग करना चाहिए।"

बंगाल में भूकंप के ज़ोरदार झटके, 5.3 तीव्रता से कांप उठी धरती, घरों से बाहर निकले लोग

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में शुक्रवार दोपहर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। ध?ती हिलने के बाद लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। बताया गया है कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.0 थी। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के खुलना से लगभग 26 किलोमीटर दूर था। भूकंप से किसी प्रकार की जान-माल की क्षति की सूचना फिलहाल नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि दोपहर में करीब 1 बजकर 22 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। लोगों के मुताबिक भूकंप के झटके कुछ समय तक महसूस हुए। ऐसे में लोग अपने घरों और कार्यालयों की बिल्डिंग से बाहर आ गए। कई जगहों पर ऑफिस खाली हो गए हैं। लोगों में आफ्टरशॉक का डर बना हुआ है। आम तौर पर भूकंप के झटके के बाद कई बार धरती हिलने की संभावना रहती है।

कई इलाकों के निवासियों ने बताया कि भूकंप के झटकों के दौरान छतों के पंखे, फर्नीचर और खिड़की दरवाजे हिलने लगे, जिसका सबसे ज्यादा असर बहुमंजिला इमारतों में देखने को मिला। ऊंची इमातों में तेज थरथराहट महसूस हुई और लोग उतरकर नीचे आ गए।

दो महीने में कोलकाता में तीसरी बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस बार झटके करीब 1 मिनट तक महसूस किए गए। कोलकाता में पिछले कुछ सालों में

भूकंप के झटके आए हैं लेकिन किसी की तीव्रता 5 तक नहीं रही है। अधिकारियों ने बताया कि इस बार भूकंप की तीव्रता भले ही रिक्टर स्केल पर 5.0थी लेकिन यह इतना तेज महसूस हुआ कि लग रहा था तीव्रता ढ्ढ होगी।

जानकारों का कहना है कि भूकंप के दौरान घर के किसी कोने में बैठ जाना चाहिए। इसके अलावा अगर मेज या टेबल हो तो उसके नीचे छिपा जा सकता है। झटकों के दौरान अगर बाहर निकलने में समय लगता है तो भागने से बेहतर घर में ही सुरक्षित स्थान पर छिपना है। भूकंप के दौरन बिजली के तारों से दूर रहना चाहिए। अगर हो सके तो गैस और बिजली की वस्तुओं को बंद कर दें। छिपने का ही तरीका है कि सिर को छिपाकर बैठ जाएं। गिरने वाली चीजों से दूर रहना चाहिए। किसी चीज को गिरने से रोकने की भी कोशिश नहीं करनी चाहिए।

पीएम मोदी का राजस्थान दौरा : अजमेर को मिलेगी 16,680 करोड़ के मेगा प्रोजेक्ट्स की सौगात

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को अपने राजस्थान दौरे के दौरान अजमेर में 16,680 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। मोदी वहां एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके अनुसार प्रधानमंत्री मोदी 28 फरवरी को राजस्थान के अजमेर का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री सुबह लगभग 11:30 बजे 16,680 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत,उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। ये परियोजनाएं शहरी विकास, पेयजल आपूर्ति, सड़कें, सिंचाई व ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी हैं। इस अवसर पर वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री 14 वर्ष की उम्र की लड़कियों के वास्ते ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरुआत करेंगे। इसके अनुसार इस पहल का उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर को रोकना है जो महिलाओं में कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है और यह देश भर में लड़कियों और महिलाओं के दीर्घकालिक स्वास्थ्य की सुरक्षा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रधानमंत्री सड़क संपर्क को बढ़ावा देते हुए कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे जिनमें बांदीकुई से जयपुर तक चार-लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे शामिल हैं। वह जोधपुर शहर में चार-लेन एलिवेटेड रोड और बारां जिले में मालबमोरी-मंगरोल-बारां राज्य राजमार्ग की आधारशिला भी रखेंगे। प्रधानमंत्री सभी के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप नोनेरा प्रमुख पेयजल परियोजना के चार पैकेजों और परवान अकावाद प्रमुख पेयजल परियोजना के पांच पैकेजों की आधारशिला रखेंगे।

तमिलनाडु राजनीति में भूचाल

अम्मा' के सिपाही रहे ओ. पन्नीरसेल्वम का बड़ा दांव, डीएमके में हुए शामिल

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बिगुल बजने से ठीक पहले राज्य की राजनीति में भूचाल आ गया है। एआईएडीएमके से निष्कासित नेता और तीन बार के मुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) शुक्रवार को अपने समर्थकों के साथ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने खुद पन्नीरसेल्वम का पार्टी में स्वागत किया, जो राज्य की सत्ता के समीकरणों को पूरी तरह बदल सकता है। 75 साल के पन्नीरसेल्वम, जो तीन बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, शायद थेनी जिले के बोदिनायक्कनूर विधानसभा क्षेत्र से आने वाले चुनाव लड़ेंगे। यह बताना ज़रूरी है कि पन्नीरसेल्वम ने पिछला चुनाव इसी सीट से जीता था, जब उन्हें डीएमके उम्मीदवार थंगा तमिल सेलवन के खिलाफ 1 लाख से ज़्यादा वोट मिले थे, जिन्हें 89, 029 वोट मिले थे।

पन्नीरसेल्वम, जिन्हें कभी जे जयललिता का करीबी माना जाता था, को पार्टी में अपने पुराने दुश्मन एडप्पादी के पलानीस्वामी के साथ पावर की लड़ाई के बीच एआईएडीएमके से निकाल दिया गया था। पन्नीरसेल्वम ने पलानीस्वामी के लीडरशिप के खिलाफ खुला कैंपेन चलाया था, जो पहले मुख्यमंत्री भी थे और अपने सपोर्टर्स के बीच ईपीएस के नाम से मशहूर हैं।

हालांकि, हाल ही में, पहले

मुख्यमंत्री ने एआईएडीएमके में लौटने का इशारा किया था और यह भी कहा था कि वह ईपीएस की लीडरशिप स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने पिछले महीने थेनी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था, 'मैं एआईएडीएमके के साथ जुड़ने के लिए तैयार हूं। टीटीवी दिनाकरन मेरा स्वागत करने के लिए तैयार हैं, ' और पलानीस्वामी को अपना बड़ा भाई भी बताया था। हालांकि, पलानीस्वामी ने पनीरसेल्वम की एआईएडीएमके में वापस शामिल होने की कोशिश को यह कहते हुए मना कर दिया था कि पार्टी में उनके लिए कोई जगह नहीं है। दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी ने इस मामले से दूरी बनाए रखी है, भगवा पार्टी के राज्य यूनिट के चीफ नैनार नागेंद्रन ने इसे एआईएडीएमके का अंदरूनी मामला बताया है।